Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 219 | बुधवार, 19 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पहले सैफई सिंडिकेट तक सीमित था प्रदेश का विकास : मुख्यमंत्री

गोरखपुर में पीआरडी जवानों के सम्मेलन में सीएम योगी ने पूर्व की सपा सरकार पर साधा निशाना

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर बिना नाम लिए पूर्व की सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारों के एजेंडे में प्रदेश का विकास नहीं था। उनका विकास केवल 'सैफई सिंडिकेट' के विकास तक सीमित रह गया था। उनका मानना था कि स्वयं का विकास हो, बाकी प्रदेश भाड़ में जाए। इसीलिए वे दंगा, गुंडागर्दी, लूटपाट करवाते थे। प्रदेश के सरकारी खजाने की लूटपाट करवाते थे। लूट का यह धन वे दुबई में छिपाते थे ताकि भविष्य में उनके या संतानों के काम आए। यही कारण है कि ईरान जब दुबई पर मिसाइल दागता है तो तकलीफ इनको होती है।

मंगलवार को गोरखपुर के योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित पीआरडी जवानों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पीआरडी जवानों के कार्यों की प्रशंसा की, उन्हें प्रोत्साहित किया और 2017 के पूर्व प्रदेश की स्थिति एवं अब आए बदलाव का भी विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद जो प्रगति प्रदेश के अंदर हुई है वह सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उनकी सरकार समग्रता के साथ सर्वसमावेशी विकास की बात करती है। सीएम ने कहा, 'हमने गांव, गरीब, नौजवान, महिलाओं की बात की है तो साथ ही जवान की बात भी की है। सरकार ने युवाओं के कल्याण, महिलाओं के उत्थान, अन्नदाता किसानों की खुशहाली, गरीबों को शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के साथ सरकारी कर्मचारियों, अपने जवानों के सम्मान, सुविधा और संरक्षण के लिए कार्य किया।' सीएम योगी ने कहा कि जब सबने मिलकर प्रयास किया तो परिवर्तन भी हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग प्रदेश को लूटते और लुटवाते थे उनसे प्रदेश की प्रगति की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए निशाना साधा कि प्रदेश को लूटने वालों ने अपने बाल-बच्चों के लिए, आने वाली कई पीढ़ियों के लिए भारी भरकम पैसा दुबई में संचित करके रखा हुआ है। इनको लगता है कोई खतरा आएगा और वे वहां भाग जाएंगे। सीएम ने तल्ख चुटकी लेते हुए कहा, 'जिन लोगों ने दुबई में पैसा छिपाया था, आपने देखा होगा अभी अमेरिका-ईरान के युद्ध में मिसाइल ठीक वहीं गिर रही थी। मौतें दुबई में हो रही थीं, मिसाइल वहां गिर रही थी और चिल्लाहट इन नेताओं के घर में हो रही थी। क्योंकि, उनका सब अवैध कमाई का पैसा जा रहा था। वे मिसाइलें उनके अवैध कमाई पर भी गिर रही थीं। और, यह ऐसी लूट करने वालों पर ऐसे ही होता है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में विकास और सकारात्मक परिवर्तन नजर आता है। जबकि इसी प्रदेश में पहले रोज दंगे होते थे, कर्फ्यू लगता था। न बेटी सुरक्षित थी, न व्यापारी सुरक्षित था। आवागमन के साधन नहीं थे। चारों ओर अव्यवस्था थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के विकास को लेकर वे ही लोग आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं, जो मौका मिलने पर खुद कुछ कर नहीं पाए। आज जब कोई परिणाम दे रहा है तो उन्हें सबसे ज्यादा बुरा यह लग रहा है कि हम कर नहीं पाए, यह कैसे कर दिए। सीएम योगी ने कहा कि आज जो लोग आरोप लगा रहे हैं वे अपनी सत्ता में कुछ कर भी नहीं सकते थे। क्योंकि, वे अक्षम और भ्रष्ट थे। माफिया के सामने घुटने टेकते थे।

प्रदेश में हर प्रकार के माफिया को प्रश्रय देकर उत्तर प्रदेश जैसे समृद्ध राज्य को उन्होंने बीमारू राज्य बना दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया की सबसे उर्वरा भूमि, सबसे अच्छी ऊर्जावान युवा शक्ति, सबसे अच्छे प्रगतिशील किसान, पढ़ी-लिखी बेटी, अच्छे व्यापारी यानी सब कुछ होने के बाद भी उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य हो गया था। सीएम ने कहा अपने कृत्यों से जिन्होंने प्रदेश को बीमार बनवा दिया हो, वे यहां के नागरिकों की बीमारी का उपचार क्या कर पाते।

महाराष्ट्र में 'धर्म की स्वतंत्रता विधेयक' लागू

अब जबरन परिवर्तन पर होगी 7 साल की जेल

वेलकम इंडिया नेटवर्क

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र सरकार द्वारा आधिकारिक गजट में नोटिफिकेशन जारी किए जाने के बाद, 'महाराष्ट्र धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम, 2026' 28 अगस्त से लागू हो जाएगा। यह कानून सभी धर्मों के लोगों पर लागू होगा और राज्य में धर्म परिवर्तन से निपटने के लिए एक नया कानूनी ढांचा तैयार करेगा।

नए कानून के तहत, किसी व्यक्ति का जबरन धर्म परिवर्तन कराना, या धोखाधड़ी, दबाव या अनुचित प्रभाव डालकर धर्म परिवर्तन के लिए उकसाना, एक आपराधिक अपराध माना जाएगा। जबरन धर्म परिवर्तन के मामले में सात साल तक की जेल हो सकती है और यह अपराध गैर-जमानती होगा।

महाराष्ट्र विधानमंडल ने हाल ही में दोनों सदनों में 'महाराष्ट्र धर्म की स्वतंत्रता विधेयक, 2026' पारित किया था। कई संगठनों ने इस विधेयक का विरोध करते हुए तर्क दिया था कि सरकार किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता में दखल दे रही है। हालांकि, राज्य सरकार ने इस आलोचना को खारिज कर दिया। यह कानून जबरदस्ती, धोखाधड़ी, प्रलोभन और शादी के जरिए किए जाने वाले धर्म परिवर्तन से निपटने के प्रावधान तय करता है।

इस कानून का एक अहम प्रावधान उन बच्चों से जुड़ा है जो ऐसी शादियों या रिश्तों से पैदा हुए हैं जिनमें गैर-कानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन शामिल है। कानून के मुताबिक, गैर-कानूनी धर्म परिवर्तन के बाद हुई शादी या रिश्ते से पैदा हुए बच्चे का धर्म वही माना जाएगा जो शादी या रिश्ते से पहले उसकी माँ का था।

यह प्रावधान दूसरे राज्यों के कुछ धर्म-परिवर्तन विरोधी कानूनों से आगे जाता है, जिनमें अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच शादी से पैदा हुए बच्चों के विरासत के अधिकारों जैसे मुद्दों पर बात की गई है। महाराष्ट्र का कानून खास तौर पर ऐसे बच्चों की धार्मिक पहचान तय करने की कोशिश करता है।

7 साल तक की जेल और 5 लाख रुपये का जुमार्ना

इस कानून में जबरदस्ती, धोखाधड़ी, लालच देकर या शादी की आड़ में कराए गए धर्म परिवर्तन के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है। बिल के अनुसार, शादी के जरिए गैर-कानूनी धर्म परिवर्तन में शामिल व्यक्ति को सात साल तक की जेल और 1 लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है। अगर धर्म परिवर्तन किसी नाबालिग, मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति, महिला या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सदस्य का कराया जाता है, तो सजा और भी कड़ी हो जाती है। ऐसे मामलों में, दोषी को सात साल तक की जेल और 5 लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है।

सामूहिक धर्म परिवर्तन के लिए, कानून में सात साल तक की जेल और 5 लाख रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है। बार-बार ऐसा करने वालों को 10 साल तक की जेल और 5 लाख रुपये तक का जुमार्ना हो सकता है।

नए कानून के तहत

- जबरदस्ती या गैर-कानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन कराने पर सात साल तक की जेल हो सकती है।
- ऐसे अपराधों में जमानत नहीं मिलेगी।
- जो व्यक्ति अपनी मजी से धर्म बदलना चाहता है, उसे सक्षम अधिकारी के पास 60 दिन पहले आवेदन करना होगा।
- अलग-अलग धर्मों के लोगों के बीच शादी होने पर, बच्चे का धर्म वही माना जाएगा जो शादी से पहले उसकी माँ का था।
- बच्चे का धर्म माँ के शादी से पहले वाले धर्म से जुड़ा होगा।

छात्र प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर रद्द करने के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट, पुलिस ज्यादती पर भी दिया बड़ा आदेश

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह एक हाई-पावर कमेटी बनाना चाहता है। इस कमेटी में पूर्व जज और DGP (डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस) रैंक के रिटायर्ड पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। यह कमेटी दिल्ली में NEET पेपर लीक को लेकर 20 जुलाई को हुए छात्र विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की ज्यादतियों और हिंसा के आरोपों की स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्णायक जांच करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात तब कही जब वह 20 जुलाई के प्रदर्शनों के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाकताओं ने इस घटना की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। इनमें से एक याचिका में खास तौर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पैलेट गन के कथित इस्तेमाल पर सवाल उठाया गया है। इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने की। सुनवाई के दौरान, कोर्ट ने कहा कि कमिटी मामले के सभी पहलुओं की जांच करेगी, जिसमें पुलिस की बर्बरता के आरोप, महिला प्रदर्शनकारियों के साथ बर्ताव और प्रदर्शनों के दौरान बल का इस्तेमाल शामिल है।

बेंच ने यह भी साफ किया कि जांच सिर्फ. किसी एक पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों तक ही सीमित नहीं रहेगी। ये बातें तब सामने आईं जब एक याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि पूर्व सैनिक की पत्नी सुदेश को प्रदर्शनों के दौरान परेशान किया गया। एक और वकील ने दावा किया कि पीड़ितों के सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड किए जा रहे थे, जबकि उन्हें ऑनलाइन परेशान करने वाले लोग बिना किसी रोक-टोक के अपने अकाउंट चला रहे थे। चीफ जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि कोर्ट हर पीड़ित के साथ है और जोर देकर कहा कि सभ्य समाज में ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी साफ किया कि कमिटी उसके सामने रखे गए हर आरोप की जांच करेगी। कोर्ट ने आगे कहा कि जांच का फोकस शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर नहीं, बल्कि उन आदतन अपराधियों पर होना चाहिए जिन्होंने शायद इन प्रदर्शनों में हिस्सा लिया हो।

पश्चिम बंगाल सरकार 2027 तक रोपेगी 20 करोड़ पौधे, मुख्यमंत्री शुभेंदु ने की शुरूआत

वेलकम इंडिया नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल सरकार राज्य में पर्यावरण सुरक्षा और वनीकरण को बढ़ावा देने के मकसद से 2027 में 20 करोड़ पौधे लगाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को यह घोषणा की। शुभेंदु ने मोहर कुंज में पौधा लगाकर एक दिन में पूरे राज्य में 50 लाख पेड़ लगाने के अभियान की शुरूआत की।

उन्होंने कहा कि अक्टूबर से सुंदरबन में तीन करोड़ मैंग्रोव के पेड़ लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने 2027 में 20 करोड़ पौधे लगाने की योजना बनाई है।' मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अभियान को राज्य के वन विभाग और पंचायत विभाग मिलकर लागू करेंगे। उन्होंने कहा, 'हमें इसी साल 10 करोड़ पेड़ लगाने हैं और अगले दो साल तक इन पेड़ों की देखभाल भी करनी होगी।'

शुभेंदु ने कहा कि सिर्फ पौधे लगाकर उनके साथ फोटो खिंचवाने से काम नहीं चलेगा बल्कि इन पौधों की कम से कम दो साल तक देखभाल करनी होगी, ताकि वे अच्छी तरह बढ़ सकें। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि इन पौधों की तीन साल तक देखभाल की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में पेड़ लगाने और वनीकरण के कार्यक्रमों के लिए रुपयों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा, 'अगर इस 'सिटी ऑफ जॉय' (कोलकाता) को बचाना है, तो बड़ी संख्या में पेड़ लगाने होंगे।

सीएम हेमंत सोरे के फैसले पर झारखंड के छात्र सहमत, वापस लिया विरोध प्रदर्शन

वेलकम इंडिया नेटवर्क

झारखंड। झारखंड के छात्रों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास के घेराव का अपना प्लान रद्द कर दिया। यह फैसला राज्य सरकार द्वारा 2014 से आउटसोर्स एजेंसी के जरिए आयोजित भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा के कुछ दिनों बाद लिया गया। भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर आंदोलन की अगुवाई कर रहे खढरउ-खररउ रिफॉर्म्स मंच ने मुख्यमंत्री आवास के घेराव का प्लान बनाया था और राज्य भर के छात्रों से रांची में इकट्ठा होने की अपील की थी। यह विरोध प्रदर्शन खत्म करने का फैसला राज्य सरकार द्वारा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तर (JSSC-CGL) परीक्षा और 2014 से आउटसोर्स एजेंसी ळरफडेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (TDPL) द्वारा आयोजित सभी भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने के बाद लिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को राज्य सचिवालय में कैबिनेट की एक लंबी बैठक के बाद इस फैसले की घोषणा की थी। सोरेन ने पत्रकारों से कहा कि सरकार ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तर परीक्षा को रद्द करने का फैसला किया है, जो विरोध कर रहे छात्रों की मुख्य मांगों में से एक थी। हमने आउटसोर्स एजेंसी TSR डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं और उसके द्वारा जारी नतीजों को भी रद्द करने का फैसला किया है। सरकार ने भर्ती परीक्षा प्रक्रिया को बेहतर बनाने के उपाय सुझाने के लिए सीनियर कअर अधिकारी अमिताभ कौशल की अध्यक्षता में एक परीक्षा सुधार समिति भी बनाई है। JPSC-JSSC रिफॉर्म्स मंच 25 जुलाई से जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में विरोध प्रदर्शन कर रहा है और विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों पर कार्रवाई की मांग कर रहा है।

दिल्ली पुलिस ने बुराड़ी में सूटकेस से बरामद किया नाबालिग का शव

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में पारिवारिक विवाद के चलते 17 वर्षीय लड़की की उसके चचेरे भाई ने कथित तौर पर हत्या कर दी और उसके शव को एक सूटकेस में पैक करके बुराड़ी में एक सुनसान जगह पर फेंक दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बाहरी उत्तरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शोभित डी. सक्सेना ने कहा कि हत्या का खुलासा तब हुआ जब जिला पुलिस के 'स्पेशल स्टाफ' को हत्या के बारे में गुप्त सूचना मिली, जिसके बाद एक टीम ने आरोपी को पकड़ा। उसने बाद में अपराध कबूल कर लिया और पुलिस को उस स्थान पर ले गया जहां उसने शव को ठिकाने लगाया था।

'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में बड़ा कदम

रक्षा मंत्रालय ने जारी की 405 सैन्य सामानों की छठी स्वदेशीकरण सूची

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के मकसद से रक्षा मंत्रालय ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण 405 वस्तुओं की छठी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआइएल) मंगलवार को जारी की। इन वस्तुओं का अभी आयात किया जाता रहा है और इनका अनुमानित व्यापार मूल्य 3,070 करोड़ रुपए है। इस सूची में लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स, सब-सिस्टम, सब-असेंबली, स्पेयर पार्ट्स, कंपोनेंट्स और कच्चा माल आदि शामिल हैं। इनमें भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) की 16 वस्तुएं और सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों (डीपीएसयू) की 389 वस्तुएं शामिल हैं। इस छठी लिस्ट में शामिल वस्तुएं रक्षा प्लेटफार्मों और प्रणालियों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करती हैं जिनमें एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर, एसयू-30एमकेआई, लाइट कांबैट एयरक्राफ्ट और एएल-31एफपी इंजन जैसे एयर प्लेटफॉर्म, टी-72, टी-90 और बीएमपी-क्क सहित बख्तरबंद प्लेटफॉर्म युद्धपोतों, कोंकर्स-एम, इंवार और एमआरएसएएम जैसी मिसाइल प्रणालियां हैं। इसके साथ ही रडार, सोनार, अग्नि नियंत्रण प्रणाली और उपग्रह संचार प्रणाली सहित रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, उच्च विस्फोटक टैंक-रोधी गोला-बारूद और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण हैं। इनमें से प्रत्येक वस्तु के स्वदेशीकरण के लिए एक सांकेतिक समय सीमा दी गई है। स्वदेशीकरण सफल होने पर इन वस्तुओं की खरीद भारतीय रक्षा उद्योग जगत से की जाएगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक छठी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत रक्षा निर्माण में आत्म-निर्भरता को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयासों में एक और कदम है। इससे भारतीय उद्योग के लिए अवसरों का विस्तार होने से लेकर नवाचार को बढ़ावा देने तथा आयात पर निर्भरता कम करने में योगदान मिलने की उम्मीद है।

संपादक की कलम से

संवेदना और स्पंदन विहीन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

अल्बर्ट आइंस्टीन का प्रसिद्ध कथन है कि कल्पना ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है। आज एआई ज्ञान और सूचना उपलब्ध कराने में हमारी सहायता कर सकती है, लेकिन कल्पना की अग्नि मनुष्य के भीतर ही प्रज्वलित होनी चाहिये, साहित्यकार की जिम्मेदारी आज के

ललित शर्मा
संपादक

लेखक और कवि के सामने सबसे बड़ी चुनौती तकनीक नहीं, अपनी मौलिकता बचाए रखना है। हमें एआई से डरने की नहीं, उसके उपयोग की मयार्दा और सीमा तय करने की आवश्यकता है। मशीन को सहयोगी बनाइए, रचनाकार नहीं। उससे तथ्य पूछिए, लेकिन भाव स्वयं खोजिए। भाषा सुधारिए, लेकिन अनुभव अपना रखिए। जानकारी लीजिए, लेकिन दृष्टि अपनी बनाइए। क्योंकि आने वाले समय में शायद सबसे दुर्लभ चीज शब्द नहीं होगी मौलिक अनुभूति होगी। हमें ऐसी पीढ़ी तैयार करनी होगी जो कविता केवल लिखे नहीं, कविता को जिए कहानी केवल बनाए नहीं, जीवन की कहानियों को सुने, साहित्य केवल प्रकाशित न करे, साहित्य के माध्यम से मनुष्य को समझे। जब रचना से अधिक महत्वपूर्ण होने लगे तुरंत तैयार साहित्य साहित्य केवल शब्दों का सुंदर संयोजन नहीं है। वह मनुष्य के भीतर घटने वाली अनुभूतियों, संघर्षों, स्मृतियों, संवेदनाओं और जीवनानुभवों का रचनात्मक प्रतिफल है। एक कविता जन्म लेने से पहले कवि के भीतर न जाने कितने दिनों तक पलती है। कोई कहानी कागज पर उतरने से पहले लेखक के मन में अनेक बार घटित होती है। किसी रचना के पीछे वर्षों का अध्ययन, अनुभव, चिंतन, पीड़ा, प्रतीक्षा और शब्दों के साथ किया गया संघर्ष होता है। इसलिए साहित्य की वास्तविक शक्ति उसके शब्दों में ही नहीं, उन शब्दों के पीछे धड़कते हुए मनुष्य के हृदय में होती है। आज इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने ज्ञान और सूचना की दुनिया को अभूतपूर्व गति दी है। यह मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धि है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कठिन कामों को सरल बना सकती है, भाषा को व्यवस्थित कर सकती है, अनुवाद में सहायता कर सकती है, शोध के रास्ते खोल सकती है और रचनाकार को अनेक स्तरों पर सहयोग दे सकती है। किंतु चिंता तब उत्पन्न होती है, जब तकनीक सृजन की सहायक होने के बजाय सृजन का विकल्प बनने लगती है। आज कोई व्यक्ति जिसने साहित्य पढ़ा नहीं, कविता की बुनियादी समझ विकसित नहीं की, जीवन को साहित्यिक दृष्टि से देखने का अभ्यास नहीं किया और शब्दों के साथ वर्षों का रिश्ता नहीं बनाया, वह कुछ क्षणों में इंटरनेट या एआई की सहायता से कविता, कहानी, गजल अथवा आलेख तैयार कर सकता है। रचना सामने आ जाती है, शब्द सुंदर दिखाई देते हैं, वाक्य आकर्षक होते हैं और भाव भी दिखाई देते हैं लेकिन प्रश्न यह है कि क्या उनमें लेखक का अपना जीवन धड़कता है? यहीं से साहित्यिक संवेदना का मूल प्रश्न पैदा होता है। साहित्य शब्दों का नहीं, अनुभूति का संसार है महादेवी वर्मा ने साहित्य को मनुष्य की संवेदना से जोड़ते हुए रचना को केवल मनोरंजन का साधन नहीं माना। प्रेमचंद का साहित्य भी इसी का प्रमाण है कि साहित्य समाज के जीवन-संघर्षों से अलग होकर जीवित नहीं रह सकता। कबीर ने जो कहा, वह पढ़कर नहीं, जीकर कहा। तुलसीदास ने लोकजीवन को जिस गहराई से देखा, वह केवल शब्द-कौशल का परिणाम नहीं था। रवीन्द्रनाथ ठाकुर का प्रसिद्ध विचार है साहित्य का उद्देश्य मनुष्य के हृदय को व्यापक बनाना है। इस व्यापकता का निर्माण किसी मशीन की गति से नहीं, मनुष्य के अनुभव से होता है। एक किसान की सूखी हथेली पर लिखी कविता और इंटरनेट से तैयार की गई किसान पर कविता में शब्द समान रूप से सुंदर हो सकते हैं, लेकिन दोनों के पीछे की अनुभूति समान नहीं हो सकती।

मत लो हमारी परीक्षा

उदय कशोर साह

कविता

सब्र हमारी नस नस में घुली है
हम हैं वर्षों से शांति के पक्षकार
पर सामने बैरी ताल ठोक खड़ा हो
स्वीकार करते हैं अरि की ललकार

सब्र के हम हैं सदैव ही पुजारी
हम पाये हैं उस वशंज के संस्कार
जहाँ सुलह वार्ता का हो पहला मंच
ना माना तो करेगें दुश्मनी पे प्रहार

सब्र के हम हैं पूर्वजों से अनुयायी
हम हैं अहिंसा के प्रथम .सूत्रधार
सर से उपर जब बहता है। पानी
खींच लेते हैं हम मैदान में तलवार

सब्र से है हमारी गहरा नाता रिश्ता
हम करते हैं दुश्मन से भी प्यार
जो मूढ़ जमझ लेता है मेरी कमजोरी
हम क्षण में कर देते हैं उनका संहार

सब्र की ना लो जग वाले हमारी परीक्षा
हम है सदा शांति के ही पैरोकार
जब आँच आयेगी इज्जत पे हमारी
महाभारत युद्ध भी है हमको स्वीकार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

तुलसीदास: भक्ति, लोकमंगल और जीवन-दर्शन के अमर व्याख्याता

ललित गर्ग
लेखक

भारत की संत-परंपरा में गोस्वामी तुलसीदास का स्थान केवल एक महान कवि अथवा रामभक्त के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन के लोकनायक और सांस्कृतिक राष्ट्रनायक के रूप में है। श्रावण शुक्ल सप्तमी को मनाई जाने वाली तुलसीदास जयंती हमें उस महापुरुष के स्मरण का अवसर देती है, जिसने रामकथा को राजमहलों और संस्कृत के विद्वत्-वर्ग से निकालकर जन-जन की भाषा, संवेदना और जीवन का हिस्सा बना दिया। तुलसीदास ने भक्ति को केवल पूजा-पद्धति नहीं रहने दिया, उसे चरित्र, मयार्दा, करुणा, सेवा, समन्वय और लोकमंगल का जीवन-मंत्र बना दिया। तुलसीदास का जीवन स्वयं एक अद्भुत आध्यात्मिक यात्रा है। उनका जन्म अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में हुआ। बाल्यकाल में ही माता-पिता का साया छूट गया। जीवन में अभाव और संघर्ष रहे, लेकिन यही संघर्ष आगे चलकर उनकी चेतना के निर्माण की भूमि बने। उनका प्रारंभिक नाम 'रामबोला' बताया जाता है। रामनाम उनके जीवन में केवल एक धार्मिक संबोधन नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार बन गया। आगे चलकर रत्नावली के जीवन-परिवर्तनकारी वचन ने उनके भीतर वैराग्य की ऐसी ज्योति प्रज्वलित की, जिसने सांसारिक आसक्ति को रामभक्ति की विराट धारा में परिवर्तित कर दिया।

तुलसीदास की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने भक्ति और जीवन को अलग-अलग खानों में नहीं बांटा। उनके लिए राम मंदिर में प्रतिष्ठित मूर्ति मात्र नहीं हैं। राम सत्य हैं, मयार्दा हैं, नीति हैं, करुणा हैं, शील हैं, शक्ति हैं और लोककल्याण की प्रेरणा हैं। इसलिए तुलसी के राम भारतीय मानस के ऐसे आदर्श बनते हैं, जिनमें ईश्वर और मनुष्य के श्रेष्ठतम गुणों का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। तुलसीदास की अमर कृति 'रामचरितमानस' भारतीय साहित्य और संस्कृति की ऐसी महान उपलब्धि है, जिसकी प्रासंगिकता सदियों के बाद भी कम नहीं हुई। यह केवल रामकथा नहीं है, यह मनुष्य को मनुष्य बनाने वाली जीवन-संहिता है। इसमें परिवार है, समाज है, राजनीति है, राज्यनीति है, कर्तव्य है, त्याग है, मित्रता है, भ्रातृत्व है, करुणा है और सबसे ऊपर धर्म का वह व्यापक स्वरूप है, जो व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठाकर लोकमंगल से जोड़ता है। तुलसी ने संस्कृत के गूढ़ आध्यात्मिक ज्ञान को अवधी की सहज और मधुर भाषा में प्रस्तुत करके ज्ञान की सीमाओं को तोड़ा। यही कारण है कि रामचरितमानस केवल पंडितों का ग्रंथ नहीं बना, बल्कि गांव की चौपाल से लेकर नगरों के साहित्यिक मंच तक,

मंदिरों से लेकर घरों के आंगन तक जनजीवन का अभिन्न अंग बन गया। तुलसी ने जिस भाषा में लिखा, वह जनता की भाषा थी, जिस कथा को चुना, वह जनमानस की आस्था से जुड़ी थी और जिन मूल्यों को सामने रखा, वे सार्वकालिक थे। इसीलिए तुलसी का साहित्य कालजयी बना। काशी में उनके ग्रंथ को लेकर मधुसूदन सरस्वती जैसे महान विद्वान ने तुलसी की काव्यप्रतिभा की प्रशंसा करते हुए लिखा है कि काशी रूपी आनंदवन में तुलसीदास चलते-फिरते तुलसी-वृक्ष हैं और उनकी काव्य-मंजरी पर रामरूपी भ्रमर मंडरा रहा है। यह टिप्पणी केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि तुलसी की आध्यात्मिक और साहित्यिक ऊंचाई की स्वीकृति के रूप में देखी जाती है। तुलसीदास की भक्ति निष्क्रिय पलायन की भक्ति नहीं है। वह मनुष्य को कर्म से विमुख नहीं करती, बल्कि कर्तव्य के प्रति जागरूक करती है। उनके राम वन जाते हैं तो कर्तव्य के कारण। भरत राजसत्ता ठुकराते हैं तो भ्रातृप्रेम और त्याग के कारण। हनुमान सेवा करते हैं तो पूर्ण समर्पण के साथ। सीता संकट में भी धैर्य और आत्मबल का परिचय देती हैं। तुलसी के लिए भक्ति का अर्थ है- अहंकार का विसर्जन और अपने भीतर के श्रेष्ठतम मनुष्य का जागरण। उनका रामभक्त स्वयं को ईश्वर के सामने समर्पित करता है, लेकिन संसार से भागता नहीं। वह समाज, परिवार और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को अधिक गंभीरता से निभाता है। इसीलिए तुलसी की भक्ति में ज्ञान, कर्म और प्रेम का त्रिवेणी-संगम दिखाई देता है। तुलसीदास को केवल धार्मिक कवि मानना उनके विराट व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। उनके साहित्य में तत्कालीन समाज की विसंगतियों, विघटन और नैतिक संकटों की गहरी अनुभूति है। उन्होंने समाज को कोई राजनीतिक घोषणा-पत्र नहीं दिया, बल्कि चरित्र-निर्माण के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का रास्ता दिखाया। उनके रामराज्य की कल्पना में शासन का उद्देश्य सत्ता नहीं, लोककल्याण है। रामराज्य में व्यक्ति भयमुक्त, सम्मानपूर्ण और संतुलित जीवन जीता है। तुलसी के साहित्य का यह पक्ष आज भी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि आधुनिक समाज में विकास के साथ-साथ नैतिकता, संवेदना और सामाजिक विश्वास का संकट भी दिखाई देता है। आज परिवार टूट रहे हैं, संबंधों में स्वार्थ बढ़ रहा है, सार्वजनिक जीवन में मयार्दा का क्षरण हो रहा है और व्यक्ति भौतिक उपलब्धियों के बावजूद भीतर से अशांत है। ऐसे समय में तुलसी का साहित्य हमें याद दिलाता है कि सभ्यता की वास्तविक शक्ति उसके चरित्र में होती है, केवल उसकी संपन्नता में नहीं। रामराज्य को केवल किसी प्राचीन शासन-व्यवस्था के रूप में देखना उचित नहीं होगा। यह एक नैतिक और मानवीय व्यवस्था का आदर्श है, जहां शासन लोकहितकारी हो, न्याय निष्पक्ष हो, समाज में परस्पर विश्वास हो और व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझे। तुलसीदास का कृतित्व अत्यंत व्यापक है। 'रामचरितमानस', 'विनय-पत्रिका', 'कवितावली', 'गीतावली', 'दोहावली', 'कृष्णगीतावली', 'जानकीमंगल', 'पार्वतीमंगल', 'रामलला नहछू', 'वैराग्यसंदीपनी' और 'हनुमान बाहुक' आदि उनकी साहित्यिक प्रतिभा के विविध आयामों को सामने रखते हैं। 'विनय-पत्रिका' में भक्त का आत्मसमर्पण है तो 'कवितावली' में जीवन और समाज के अनुभवों की तीखी संवेदना भी है। 'हनुमान बाहुक' में व्यक्तिगत पीड़ा और आध्यात्मिक आश्रय का अद्भुत संगम दिखाई देता है। इस दृष्टि से तुलसी केवल रामकथा के कवि नहीं, बल्कि मनुष्य की बाहरी और भीतरी दोनों यात्राओं के कवि हैं। तुलसीदास का सबसे महत्वपूर्ण संदेश समन्वय है। उन्होंने ज्ञान और भक्ति, लोक और शास्त्र, आदर्श और यथार्थ, व्यक्ति और समाज तथा अध्यात्म और व्यवहार के बीच पुल बनाया। उनका साहित्य विभाजन नहीं, समरसता की ओर ले जाता है। उनकी दृष्टि में धर्म संकीर्ण पहचान नहीं, बल्कि जीवन को सत्य, करुणा, संयम और मयार्दा से जोड़ने वाली शक्ति है। यही कारण है कि रामचरितमानस का प्रभाव केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, उसने भारतीय कला, संगीत, नाटक, लोकपरंपरा, सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक स्मृति को गहराई से प्रभावित किया। आज तकनीक ने संसार को छोटा कर दिया है, लेकिन मनुष्य का मन कई बार अकेला और अस्थिर होता जा रहा है। सूचना बहुत है, लेकिन विवेक का अभाव दिखाई देता है। संपत्ति बढ़ रही है, लेकिन संतोष घट रहा है। संपर्क बढ़ रहे हैं, लेकिन संबंध कमजोर हो रहे हैं। ऐसे समय में तुलसीदास का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक है। रामचरितमानस हमें सिखाता है कि विकास के साथ मूल्य, शक्ति के साथ विनम्रता, ज्ञान के साथ विवेक और अधिकार के साथ कर्तव्य आवश्यक है। तुलसी का राम हमें भीतर के रावण से लड़ने की प्रेरणा देता है। बाहरी विजय से पहले अंतर्मन की विजय आवश्यक है। तुलसी की यही सबसे बड़ी देन है कि उन्होंने राम को केवल अयोध्या का राजा नहीं रहने दिया, बल्कि भारतीय चेतना के भीतर का आदर्श मनुष्य बना दिया।

सत्ता के सिंहासन की कीमत: जाति, धर्म और आरक्षण की आग में जलता लोकतंत्र, कराहती जनता और मुस्कराती सियासत

एनके शर्मा
लेखक

लोकतंत्र जनता के हाथों में सत्ता सौंपने की व्यवस्था है, लेकिन जब सत्ता स्वयं साध्य बन जाए और जनता केवल साधन, तब लोकतंत्र की आत्मा घायल होने लगती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जाति, धर्म और सामाजिक असमानता की ऐतिहासिक वास्तविकताओं को नकारा नहीं जा सकता; लेकिन इन संवेदनशील प्रश्नों को यदि न्याय और सामाजिक समरसता के बजाय चुनावी गणित का हथियार बना दिया जाए, तो लोकतंत्र समाज को जोड़ने के बजाय उसे खांचों में बांटने लगता है। विडंबना यह है कि जिन सवालों के समाधान के लिए राजनीति अस्तित्व में आई थी, वही सवाल आज राजनीति की स्थायी पूंजी बन चुके हैं। जाति भारतीय समाज की एक कड़वी ऐतिहासिक सच्चाई रही है। सदियों की सामाजिक विषमता ने करोड़ों लोगों को अवसरों से वंचित किया। इसलिए वंचित वर्गों को प्रतिनिधित्व और अवसर उपलब्ध कराने की नीतियों का नैतिक आधार निर्विवाद रूप से महत्वपूर्ण है। आरक्षण का मूल उद्देश्य भी यही था कि ऐतिहासिक अन्याय से पीड़ित समुदायों को बराबरी के अवसर मिलें। समस्या आरक्षण के सिद्धांत में नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक इस्तेमाल और उसके लाभों के न्यायपूर्ण वितरण पर उठते सवालों में है। जब आरक्षण सामाजिक न्याय की सीढ़ी के बजाय चुनावी वोटों की सीढ़ी बन जाए, तब उसके मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लग जाता है। आज चुनावी राजनीति का एक बड़ा संकट यह है कि नागरिक को नागरिक की तरह देखने के बजाय उसे जाति, धर्म, क्षेत्र और समुदाय के आंकड़े के रूप में देखा जाने लगा है। राजनीतिक दलों के रणनीतिकार यह गिनते हैं कि किस सीट पर कौन-सी जाति कितने प्रतिशत है, किस समुदाय को कितना प्रतिनिधित्व दिया जाए और किस मुद्दे को उछालने से कितने वोट मिल सकते हैं। जनता की गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे वास्तविक प्रश्न कई बार इसी चुनावी गणित के शोर में दब जाते हैं। धर्म, जो मनुष्य को नैतिकता, करुणा और आत्मानुशासन का मार्ग दिखा सकता है, राजनीति के हाथों में पहुंचकर पहचान

की दीवार बन जाता है। चुनाव आते ही धार्मिक भावनाएं जागृत होती हैं, भाषणों में आस्था की तीव्रता बढ़ जाती है और समाज के भीतर 'हम' और 'वे' की रेखाएं गहरी होने लगती हैं। चुनाव समाप्त होते ही जनता फिर उसी महंगाई, बेरोजगारी और प्रशासनिक उदासीनता के बीच लौट आती है। प्रश्न यह है कि यदि धर्म मनुष्य को जोड़ने की शक्ति है, तो उसे राजनीतिक विभाजन का औजार क्यों बनाया जाए? जाति और धर्म के बाद आरक्षण भी कई बार राजनीतिक ध्रुवीकरण का विषय बन जाता है। एक वर्ग इसे अपने अधिकार की रक्षा मानता है, दूसरा अवसरों में प्रतिस्पर्धा की चुनौती के रूप में देखता है। परिणामस्वरूप वास्तविक समस्या—शिक्षा की गुणवत्ता, रोजगार के पर्याप्त अवसर और आर्थिक-सामाजिक विषमता—पीछे छूट जाती है। राजनीतिक नेतृत्व के लिए यह स्थिति सुविधाजनक हो सकती है, क्योंकि विभाजित समाज में भावनात्मक मुद्दे अधिक प्रभावी चुनावी हथियार बनते हैं। लेकिन राष्ट्र के लिए इसकी कीमत अत्यंत महंगी है। सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि आम नागरिक को बार-बार बताया जाता है कि उसका सबसे बड़ा हित जाति या धर्म की राजनीतिक पहचान में छिपा है, जबकि उसकी रोजमर्रा की जिंदगी उससे कहीं अधिक कठोर प्रश्न पूछती है। घर का बजट महंगाई से जूझ रहा है, युवा रोजगार के लिए भटक रहा है, किसान लागत और आय के बीच फंसा है, छोटे व्यापारी प्रतिस्पर्धा और बढ़ती लागत से परेशान हैं, मध्यम वर्ग करों और खर्चों के दबाव में है और गरीब परिवार आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मगर चुनावी मंच पर इन प्रश्नों की जगह अक्सर पहचान की राजनीति अधिक मुखर दिखाई देती है। लोकतंत्र की असली शक्ति बहुमत में नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण व्यवस्था में होती है। यदि बहुमत केवल संख्या बनकर रह जाए और अल्पसंख्यक केवल वोट बैंक, यदि पिछड़ा केवल चुनावी समीकरण और गरीब केवल घोषणा-पत्र का पात्र बन जाए, तो लोकतंत्र का अर्थ खोने लगता है। लोकतंत्र में हर नागरिक की गरिमा समान होनी चाहिए—चाहे उसकी जाति कुछ भी हो, धर्म कुछ भी हो, आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। सत्ता का चरित्र भी यहीं परखी जाता है। क्या सत्ता समाज की दरारों को भरती है या उन्हें चुनावी लाभ के लिए चौड़ा करती है? क्या वह अवसरों की समानता बढ़ाती है या पहचान के आधार पर संघर्ष को स्थायी बनाती है? क्या वह युवाओं को रोजगार देती है या उन्हें भावनात्मक नारों में उलझाती है? क्या वह किसान की आय और सम्मान की चिंता करती है या उसे हर चुनाव में नए वादों के सहारे फिर कतार में खड़ा कर देती है? राजनीति को जाति और धर्म से पूर्णतः मुक्त करना शायद व्यावहारिक रूप से संभव न हो, क्योंकि समाज की वास्तविक संरचना को एक झटके में बदला नहीं जा सकता। लेकिन राजनीति को इन पहचानों का बंदी बनने से अवश्य रोका जा सकता है। सामाजिक न्याय आवश्यक है, पर सामाजिक न्याय का अर्थ स्थायी सामाजिक विभाजन नहीं हो सकता। आरक्षण आवश्यक परिस्थितियों में अवसरों की असमानता को कम करने का साधन हो सकता है, लेकिन उसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण की व्यापक नीतियों का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक विमर्श का केंद्र 'कौन किस जाति का है' से बदलकर 'किसके पास अवसर है' हो; 'कौन किस धर्म का है' से बदलकर 'किसे न्याय मिला' हो; और 'किसे कितना आरक्षण मिलेगा' से आगे बढ़कर 'क्यों आज भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मानजनक रोजगार सबको समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं' हो। क्योंकि राष्ट्र तब मजबूत नहीं होता जब समाज के एक हिस्से को दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर दिया जाए। राष्ट्र तब मजबूत होता है जब सबसे कमजोर व्यक्ति को भी यह विश्वास हो कि व्यवस्था उसके साथ न्याय करेगी।

नौकरी के साथ जीवन की तैयारी भी जरूरी है

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

सरकारी नौकरी जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन यह जीवन का सब कुछ नहीं होना चाहिए। हालांकि वेतन, पद, पदोन्नति और सरकारी लाभ अच्छे हैं, लेकिन अच्छा परिवार, स्वास्थ्य, आर्थिक सुरक्षा, व्यक्तिगत विकास और सेवानिवृत्ति के बाद के भविष्य की तैयारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

सबसे पहले, अपने घर की योजना बनाएं। चाहे गांव हो या शहर, अपना घर होने से स्थिरता और आत्मनिर्भरता का एहसास होता है। सरकार द्वारा आवास मिलना अच्छी बात है, लेकिन यह आपके जीवन का आधार नहीं होना चाहिए। अपना घर होने से नौकरी छूटने की स्थिति में आपको और आपके परिवार को काफी आसानी होगी। काम के प्रति ईमानदार और समर्पित रहें, लेकिन अपना पूरा जीवन कार्यस्थल को न समर्पित करें। यह न सोचें कि आपके बिना कंपनी नहीं चल सकती। इनमें से प्रत्येक भूमिका कोई और निभा सकता है, लेकिन अपनों के साथ बिताए उन पलों को आप कभी वापस नहीं पा सकते। अपनी छुट्टियों और अवकाश का आनंद लें, आराम करें या परिवार और दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएं, अपना ख्याल रखें, यात्रा करें, सीखें और जीवन का आनंद लें। पदोन्नति को ही सफलता का एकमात्र मापदंड न बनाएं। अभ्यास करें और अपनी क्षमताओं को विकसित करें, ज्ञान बढ़ाएं और अपने हर काम में उत्कृष्टता प्राप्त करें। पदोन्नति मिलने पर उसका लाभ उठाएं। अगर पदोन्नति नहीं मिलती है, तो निराश होकर अपने आत्मसम्मान को कम न होने दें। व्यक्तिगत विकास किसी पद से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। ऑफिस की गपशप, राजनीति और नकारात्मक बातों से दूर रहें। बड़ों का आदर करें, लेकिन चापलूसी को अपना पेशा न बनाएं। शक्तिशाली लोगों को खुश करने से क्षणिक सम्मान मिल सकता है; लेकिन ये चीजें स्थायी सम्मान नहीं दिलातीं। अपने आत्मसम्मान, आत्म-

सम्मान और आत्मनिर्णय को बनाए रखें। हमेशा दूसरों से अपनी तुलना न करें, बल्कि खुद से प्रतिस्पर्धा करें। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का एक स्तर सुधार के लिए अच्छा होता है, लेकिन अगर यह किसी को हराने की भावना से प्रेरित हो, तो कुछ लोग बेवजह तनावग्रस्त हो जाते हैं। आपको कल खुद से मुकाबला करना चाहिए, किसी और से नहीं। अपने वित्त का प्रबंधन करने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अपनी तनख्वाह पर निर्भर न रहें और उससे ही सब कुछ पाने की उम्मीद न रखें। अपनी आय, दायित्वों और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर बचत और निवेश योजनाएँ बनाएँ। जब आप दूसरी आय या व्यवसाय के बारे में सोचें, तो सुनिश्चित करें कि यह सेवा नियमों और आपके पेशेवर कर्तव्यों के अनुरूप हो। नियमित रूप से बचत करने की आदत डालें। अनावश्यक कर्ज और जीवनशैली में बेवजह की बढ़ोतरी से बचें। शिक्षा प्राप्त करने, किसी लाभकारी संपत्ति खरीदने या किसी सुनियोजित उद्यम के लिए उधार लेना भले ही स्वीकार्य हो, लेकिन अपनी मनचाही जीवनशैली बनाए रखने के लिए कर्ज लेना उचित नहीं है। निजी जीवन की बातें साझा न करें। कार्यालय में निजी संबंधों, आर्थिक मामलों, पारिवारिक मुद्दों और विवाह पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। अपने निजी जीवन के बारे में जो बातें आप साझा करते हैं, उनसे नहीं, बल्कि अपने आचरण, पेशेवर रवैये और ईमानदारी से अपने सहकर्मियों, सहयोगियों और नियोक्ताओं का सम्मान करें। अपने करियर की शुरूआत से ही अपनी सेवानिवृत्ति की योजना बनाएं। ऐसा हमेशा नहीं होता कि सेवानिवृत्ति 40 या 50 वर्ष की आयु में ही हो। वास्तव में, सेवानिवृत्ति का अर्थ है उन दिनों के लिए वित्तीय, मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार होना जब काम, चाहे अच्छा हो या बुरा, समाप्त हो जाएगा। सेवानिवृत्ति के बाद जीवन को अर्थपूर्ण बनाने के लिए रुचियों और गतिविधियों की योजना बनाएं। यह लेखन, अध्यापन, खेती, छोटा व्यवसाय चलाना, सामाजिक कार्य, यात्रा, पढ़ना या कोई अन्य अच्छी गतिविधि हो सकती है। काम करते समय धीरे-धीरे कुछ करने से आपको उसका अनुभव मिलेगा और आप देख पाएंगे कि यह संभव और व्यवहार्य है या नहीं। अपनी दिनचर्या तय करने के लिए सेवानिवृत्ति का इंतजार न करें। दशकों तक काम करने के बाद, सेवानिवृत्ति के बाद जीवन में ढलना मुश्किल हो सकता है क्योंकि कोई और नियमित दिनचर्या या उद्देश्य नहीं होता। सेवानिवृत्ति जीवन का एक नया पड़ाव होना चाहिए, न कि अचानक आने वाला खालीपन। अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद उठाएं। कोई किताब पढ़ें, कोई नया कौशल सीखें, कोई व्यक्तिगत परियोजना शुरू करें, परिवार के साथ यात्रा करें, स्वस्थ रहें या कोई शौक अपनाएं। आप अपना समय कैसे बिताते हैं, यह दशार्ता है कि आप भविष्य में अपना जीवन कैसे जिएंगे। सेवानिवृत्ति और पेंशन के लिए बचत करना न भूलें। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये बचत आपके स्वास्थ्य, सम्मान, स्वतंत्रता और वृद्धावस्था में आपकी जरूरतों की रक्षा करें। सेवानिवृत्ति के बाद अच्छे वित्तीय निर्णय लेना महत्वपूर्ण है, जिसमें स्वास्थ्य देखभाल, घर और व्यक्तिगत देखभाल की जरूरतों और आपातकालीन खर्चों के भविष्य के खर्चों को ध्यान में रखा जाए। जब आप सेवानिवृत्त हों, तो जीवन से सेवानिवृत्त न हों। यह एक ऐसा समय हो सकता है जब आप उन सभी चीजों पर ध्यान दे सकें जो आप नौकरी के दौरान नहीं कर पाए थे। एक सुबह चाय पीते हुए, धूप में किताब पढ़ते हुए, यात्रा करते हुए, परिवार के साथ समय बिताते हुए, अपनी पसंद की चीजें करते हुए, समाज की सेवा करते हुए या चाहें तो छोटा व्यवसाय चलाते हुए बिताएं। याद रखें कि कार्यस्थल सुरक्षित नहीं है।

सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता: सांसद चंद्रशेखर

सांसद चंदन चौहान ने बाढ़ प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा दिलाने के दिए दिशा निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददात

बिजनौर। विकास भवन सभागार में मंगलवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक का आयोजन सांसद नगीना एडवोकेट चंद्रशेखर की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को योजनाओं का लाभ पात्र एवं वंचित लोगों तक प्राथमिकता के आधार पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए। बैठक की सह-अध्यक्षता बिजनौर सांसद चंदन चौहान ने की। इस अवसर पर चांदपुर विधायक स्वामी ओमवेश, जिलाधिकारी जसजीत कौर, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर ने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्रामों में शौचालय निर्माण की प्रगति की समीक्षा कर अगले 15 दिनों के भीतर पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के वेतन में एकरूपता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि परिषदीय विद्यालयों में भवनों की स्थिति, स्वच्छता, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाया जाए, ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण उपलब्ध हो सके। जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि राशन कार्ड धारकों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए और वितरण प्रणाली में किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

बैठक के दौरान सांसद ने पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों से किरतपुर मार्ग निर्माण परियोजना की प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पूर्ण हो चुकी हैं तथा आगामी माह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। सांसद चंद्रशेखर ने विद्युत विभाग को ढीले तारों की मरम्मत तथा आबादी क्षेत्रों में घरों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइनों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने वन विभाग से गुलदार के हमलों से संबंधित घटनाओं की जानकारी लेते हुए पीड़ित परिवारों को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में किसानों को आवंटित पट्टों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

बैठक की सह-अध्यक्षता कर रहे सांसद चंदन चौहान ने चांदपुर विधानसभा क्षेत्र में संभावित बाढ़ से प्रभावित किसानों की फसलों के नुकसान का तत्काल सर्वे कर नियमानुसार मुआवजा दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि विद्यालयों में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना की गुणवत्ता की समय-समय पर स्वयं जांच करें, ताकि बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके। चांदपुर विधायक स्वामी ओमवेश ने चांदपुर-बास्टा मार्ग निर्माण कार्य की प्रगति पर जानकारी लेते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिव्यांग पेंशन योजना का लाभ प्राप्त कर रहे चार युवकों का सरकारी सेवाओं में चयन हुआ है, जिन्हें शीघ्र सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पाद जनप्रतिनिधियों को भेंट किए गए। जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि 1 जुलाई 2026 से लागू जीराम जी योजना के अंतर्गत जिले में 500 तालाबों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिनमें से 250 तालाबों पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। संबंधित विभागों को दिसंबर तक लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मानव दिवस सृजन के निर्धारित लक्ष्य को भी समयबद्ध रूप से पूरा करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1,39,348 महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 28,824 महिलाओं को जोड़ा जा चुका है। महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए विशेष रोजगार मेले आयोजित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत भेजे गए पांच प्रस्तावों में से दो को स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। वहीं प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत जिले में अब तक 19.72 लाख से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में जुलाई माह तक 50,798 नए खाते खोले गए हैं। अटल पेंशन योजना के अंतर्गत 26,165 तथा सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 1,28,009 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है।

उफान पर खो नदी, ग्रामीणों के चेहरों पर चिंता की लकीरें

पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में लगातार बारिश से हालात बिगड़े, कई गांवों में जलभराव; प्रशासन और सिंचाई विभाग अलर्ट

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

धामपुर/बिजनौर। पर्वतीय क्षेत्र लैंसडाउन, कोटद्वार, कालागढ़ तथा मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते खो नदी उफान पर है। नदी के बढ़ते जलस्तर ने कस्बा शेरकोट, मुकरपुरी, सिपाहीवाला, ज्योतिहिम्मा और हादकपुर सहित कई क्षेत्रों में चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों के चेहरों पर बाढ़ की आशंका को लेकर चिंता साफ दिखाई दे रही है। कई स्थानों पर सड़कें और घर जलमग्न हो गए हैं, जबकि कुछ गांवों का संपर्क मार्ग भी प्रभावित होने लगा है। लगातार हो रही वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। खो नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे शेरकोट कस्बे, बालकिशनपुर तथा आसपास के कई गांवों और मोहल्लों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। पशुपालकों के सामने पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था करना

बड़ी चुनौती बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

समाचार लिखे जाने तक खो बैराज शेरकोट से 47,166 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया जा रहा था। जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए सिंचाई विभाग और जिला प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के साथ निगरानी व्यवस्था भी तेज कर दी है। क्षेत्र के ग्राम कोपा, नंदगांव और तिपरजोत में सिंचाई विभाग धामपुर द्वारा कराए गए बाढ़ सुरक्षा कार्यों से स्थानीय लोगों को काफी राहत मिली है। इन कार्यों के चलते आसपास के गांवों की आबादी फिलहाल सुरक्षित बताई जा रही है। हालांकि ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम कोपा के डाउन क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी की सड़क अभी भी खतरे की जद में है। यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो संपर्क मार्ग बाधित हो सकता है। जिला बाढ़ समन्वय अधिकारी बिजनौर एवं अधिशासी अभियंता, अफजलगढ़ सिंचाई खंड धामपुर अरुण सचदेवा ने अधीनस्थ अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में रहकर सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। धामपुर स्थित बाढ़ नियंत्रण कक्ष से क्षेत्रीय जनता और बाढ़ निगरानी समितियों के पदाधिकारियों से लगातार फीडबैक लिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल कहीं भी कटान जैसी गंभीर स्थिति नहीं है, लेकिन नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। जलस्तर घटने के बाद ही वास्तविक स्थिति का स्पष्ट आकलन हो सकेगा।

मोबाइल चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलाना। थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। सीओ मुनीश चंद्र ने बताया कि मोबाइल चोरी के मुकदमे में वांछित दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस टीम सौलाना जाने वाले रास्ते पर पुलिया के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान नीरज और अनिल निवासी ग्राम लालपुर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों के कब्जे से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ कर चोरी की घटनाओं से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाने का प्रयास किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

छाता चीनी मिल चालू कराने के लिए धरने को समाजवादी पार्टी का समर्थन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जनपद की गोवर्धन विधानसभा-83 के वरिष्ठ नेता महेश चन्द्र शर्मा गोल्डी भैया छाता में गन्ना मिल को चालू कराने की मांग को लेकर चल रहे धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलनरत साथियों को संबोधित किया। गोल्डी भैया ने कहा कि दीपक शर्मा के साथ किया गया अपमान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि ब्राह्मण समाज के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला है। आज जिस तरह विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, वह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। लोकतंत्र में विपक्ष का अधिकार है कि वह सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि छाता चीनी मिल हर हाल में चालू होनी चाहिए। हमारे फौजी भाई अपने हक और क्षेत्र के किसानों की आवाज को लेकर धरने पर बैठे हैं। समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है और किसानों, मजदूरों तथा आम जनता की लड़ाई को सड़क से सदन तक लड़ती रहेगी।

फिर गिरा मकान महिला व बुजुर्ग दबे, बकरी की मौत

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। लीलापुर थानान्तर्गत ग्राम रावतपुर के अंतर्गत बीबीपुर पाल बस्ती में मंगलवार को कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के दौरान मकान के मलबे में एक महिला समेत कुछ जानवर दब गए। घटना से गांव में अफरा-तफरी मच गई। लक्ष्मणपुर ब्लाक के बीबीपुर निवासी महेंद्र पाल का कच्चा मकान भारी बारिश के चलते भरभरा कर गिर गया। जिसमे परिवार के सदस्य और मवेशी इसकी चपेट में आ गए। हादसे में एक बकरी की मौत हो गई, जबकि महेंद्र पाल की माता जी मलबे में दबने से गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर जुट गए और राहत-बचाव का काम शुरू किया। किसी तरह मलबा हटाकर घायल महिला को बाहर निकाला गया। उनकी हालत गंभीर देखते हुए परिजन उन्हें उपचार के लिए प्रयागराज ले गए, जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। अचानक कच्चा मकान गिरने की

घटना ने गरीब परिवारों के आवास और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर और कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को समय रहते सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की जरूरत है, ताकि इस तरह की घटनाओं में जान-माल का नुकसान न हो।

जनपद मे लगातार हो रहे हादसो से लोग सबक लेने को कदापि तैयार नही है। अभी पिछले दिनो ही जनपद मे ऐसे ही हुए हादसे मे छह लोगो की जान चली गयी थी। लेकिन लोग है कि सबक लेने के बजाय लोग लापरवाह बने बैठे । जिले मे कयी जगह लोग जर्जर मकानो मे रह रहे है। कुछ लोग दूसरी जगह पक्के मकान बना रह रहे है जबकि पुराने आवास को जर्जर हाल मे छोड दिया है। जिससे इन जर्जर मकानो के करीब रहने वाले लोग डर मे जी रहे है। क्योंकि कभी ये जर्जर मकान या खंडहरी दीवारे किसी पर भी गिर जान ले सकती है। जिसके लिए प्रशासक को चाहिए कि लेखपाल और पचायत सचिव चौकीदारो के माध्यम से इन जर्जर मकान व दीवारो को चिह्नित करा उन्हे ध्वस्त कराए। अन्यथा आगे भी ऐसे हादसे होगे।

पीडीए पंचायत में वरिष्ठ सपा नेता पदम सिंह जाटव ने किया जनता से जनसंवाद

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के गांव कटीरा जाफराबाद में समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में वरिष्ठ सपा नेता एवं विधानसभा 60 गढ़मुक्तेश्वर से पदम सिंह जाटव ने ग्रामीणों से जनसंवाद किया। इस दौरान पदम सिंह जाटव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के विचारों तथा पार्टी की नीतियों से जनता को अवगत कराया। उन्होंने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर ग्रामीणों से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील की।उन्होंने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने और अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए सभी कार्यकताओं एवं जनता को एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रतापगढ़ में हत्याओ का दौर जारी हफ्ते मे दूसरी हत्या बना पुलिस का सिरदर्द

विजय द्विवेदी/वेलकमइंडिया

प्रतापगढ़। थाना कोहंडौर अन्तर्गत मदाफरपुर बाजार में मंगलवार दोपहर पारिवारिक विवाद के चलते पूर्व सैनिक ने अपने साले को लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

मदाफरपुर बाजार निवासी देवेन्द्र यादव पुत्र गया प्रसाद यादव को उनके सगे जीजा कपिल यादव निवासी खानापुर, थाना पीपरपुर, अमेठी ने करीब 12 बजे गोली मार दी। पुलिस के अनुसार कपिल यादव पूर्व सैनिक हैं और वर्तमान में जिला अस्पताल, सुल्तानपुर में गार्ड के पद पर कार्यरत हैं। बताया गया कि कपिल यादव का अपनी पत्नी प्रियंका से पारिवारिक विवाद चल रहा था। 17 अगस्त को देवेन्द्र अपनी बहन प्रियंका को अपने घर ले आए थे। इसी विवाद के चलते मंगलवार को कपिल ने देवेन्द्र को गोली मार दी। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने आरोपी के साथ मारपीट की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर रही है।

लीलापुर थाने के लक्ष्मणपुर क्षेत्र मे पिछले दिनो सौरभ विश्वकर्मा की हुई हत्या से जिले मे सनसनी फैल गयी थी। क्योंकि हत्या एक ब्राह्मण परिवार के लोगो ने की थी। जिस पर राजनीति करने सपा विधायक आर के वर्मा सहित कयी अन्य नेता तथा विश्वकर्मा सगठन से जुडे लोग तत्काल पहुच गये थे। लेकिन अब जब यादव ने यादव को गोली मारी तो सभी नेता खामोश है ।कोई सवाल नही कर रहा है ना ही किसी तरह का दोषारोपण जो जिले मे चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर अब नेता और संगठन खामोश क्यो । अब क्यो नही कर रहे एन्काउन्टर या बुलडोजर कार्यवाही की माग।

कोतवाल मृदुल कुमार की मुस्तैदी से चोरी की बाइक बरामद, दो युवक गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

अफजलगढ़/बिजनौर। कांवड़ मार्ग पर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान अफजलगढ़ पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल बरामद करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बरामद मोटरसाइकिल दिल्ली के मधु विहार थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। मंगलवार को अफजलगढ़ प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार ने बताया कि सोमवार रात उपनिरीक्षक मनीष कुमार पुलिस टीम के साथ काशीपुर-अफजलगढ़ हाईवे स्थित मजार कट पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ युवक चोरी की मोटरसाइकिल लेकर जसपुर की ओर से अफजलगढ़ होते हुए हरेवली और हरिद्वार की तरफ जाने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस

टीम ने तत्काल बैरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। कुछ देर बाद जसपुर की ओर से बिना नंबर प्लेट की काले रंग की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों को पुलिस ने रोक लिया। पूछताछ में युवकों ने अपना नाम अनुज पुत्र यशपाल निवासी नारायणवाला, थाना रेहड़ तथा निशांत पाल पुत्र जोगिंद्र पाल निवासी नारायणवाला, थाना रेहड़ बताया। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान दोनों युवकों ने बताया कि उन्होंने करीब पांच-छह महीने पहले सुआवाला निवासी प्रिंस ढिल्लो से 10 हजार रुपये में मोटरसाइकिल खरीदी थी। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें जानकारी थी कि प्रिंस उक्त मोटरसाइकिल को दिल्ली से चोरी करके लाया था। इसके बावजूद दोनों युवक मोटरसाइकिल को बिना नंबर प्लेट के चला रहे थे। पुलिस ने मोटरसाइकिल के चेसिस नंबर और इंजन नंबर की जांच की तो उसका पंजीकरण नंबर डीएल14एसटी1080 तथा इंजन नंबर एचए11ई8पीएचबी 64861 पाया गया। इसके बाद पुलिस ने वाहन को स्टोलन व्हीकल एप पर चेक किया, जिसमें मोटरसाइकिल के 9 अगस्त 2024 को दिल्ली के चंद्र विहार, मंडावली-कल्याणपुरी क्षेत्र से चोरी होने की पुष्टि हुई। पुलिस के मुताबिक इस संबंध में थाना मधु विहार/ई-पुलिस स्टेशन पूर्वी जिला, दिल्ली में चोरी का मुकदमा दर्ज है। चोरी की मोटरसाइकिल बरामद करने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ धारा 317(2) और 317(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी एवं बरामदगी की पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल कलीम हसन और कांस्टेबल विशाल मलिक शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई को कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था और संदिग्ध वाहनों की निगरानी के लिहाज से महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री से मिले ग्रामीण

जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू नही होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी

वेलकम इंडिया/तनुज तिरूवा

कपकोट। फुलवाड़ी, फुलाचौरा, थलीधार, खाईधार, सापुली और ठांगधार गांवों के ग्रामीणों ने 20 साल से लंबित सड़क निर्माण की मांग को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी सड़क की मांग को जल्द पूरा किए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने उन्हें ज्ञापन देकर कहा कि राज्य के विकास की प्रमुख धुरी होने और प्रदेश के मुख्यमंत्री के राजनितिक गुरु होने के नाते ग्रामीणों को सड़क निर्माण की आशा पूरी करने हेतु मार्गनिर्देशन कर मुख्यमंत्री से जल्द सड़क निर्माण को स्वीकृति दिलाने में सहयोग की अपील की।कहा कि सड़क निर्माण में जो बाधाएं बताई गई है उनका समाधान किया जा सकता है, पर अब तक सड़क निर्माण में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की

अनदेखी के चलते सड़क निर्माण का कार्य नही हो पाया है। उन्होंने कागजी बाधाऐं और उसके समाधान के उपाय भो हो सकते हैं पर अब तक कोई ठोस पहल नही किए जाने से सड़क निर्माण में देरी होने को प्रमुख कारण बताया।कहा कि ग्रामीण आंदोलन को विवश हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2006 में कपकोट भ्रमण के दौरान कोश्यारी को करम सिंह दानू के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद विभिन्न मुख्यमंत्रियों और विधायकों को भी ज्ञापन दिए गए। वर्ष 2019 में तत्कालीन विधायक ने सड़क का उद्घाटन किया, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ा। वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कपकोट भ्रमण के दौरान सड़क निर्माण की घोषणा की थी। जनवरी 2026 में विधायक सुरेश गढ़िया ने भी गांव पहुंचकर छह माह में काम शुरू कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन समय बीतने के बाद भी कार्य शुरू नहीं हुआ।ग्रामीणों ने बताया कि लगातार आश्वासन के बावजूद सड़क निर्माण शुरू न होने से नाराज होकर छह गांवों के लोगों ने 13 जुलाई से आंदोलन शुरू किया है, जो अब भी जारी है। उन्होंने कहा कि जब तक सड़क का काम धरातल पर शुरू नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा।उन्होंने जल्द ग्रामीणों को सड़क सुविधा का लाभ नहीं दिए जाने पर आगामी चुनावों में इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ने की भी आशंका जताई। ज्ञापन पूर्व कैप्टन रतन सिंह दानू, चरण सिंह बघरी, करम सिंह दानू, शेर सिंह दानू, गजेंद्र सिंह धामी, मदन सिंह धामी समेत अन्य ग्रामीणों ने भेजा है।

मुख्यमंत्री धामी ने पौड़ी, टिहरी और हरिद्वार लोकसभा क्षेत्रों की संगठनात्मक बैठक में संगठन मजबूती पर दिया जोर

विधानसभा से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना लक्ष्य: धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय, देहरादून में पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल और हरिद्वार लोकसभा क्षेत्रों की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक ली। बैठक में तीनों लोकसभा क्षेत्रों के सांसदों, विधायकों, जिलाध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों तथा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान संबंधित क्षेत्रों में संगठन की गतिविधियों, कार्यकताओं की सक्रियता और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में विधानसभा स्तर से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन को मजबूत बनाए रखने के लिए बूथ स्तर तक कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी, जनप्रतिनिधियों और संगठन पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय तथा जनता के साथ निरंतर संवाद बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों से कार्यकताओं के साथ नियमित संवाद बनाए रखने तथा क्षेत्र की जनता से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के आधार पर उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। जनता की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को सरकार तक पहुंचाने के साथ ही सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने में कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, महत्वपूर्ण निर्णयों और विकास कार्यों की जानकारी बूथ स्तर तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी सुनिश्चित किया जा सकता है, जब उनकी जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। सरकार का प्रयास है कि विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय से विकास एवं जनसेवा के संकल्प को अधिक प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा जा सकता है। आने वाले समय में संगठन को और अधिक सक्रिय करते हुए जनसंपर्क एवं जनसेवा अभियानों को गति देने की आवश्यकता है। प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाना, कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाना और जनता के साथ निरंतर संवाद स्थापित करना संगठन की प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, सांसद अनिल बलूनी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री, विधायक, प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

न्यायालय के आदेश पर ग्राम सभा की जमीन से हटाया गया अतिक्रमण

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। पथरा बाजार थाना क्षेत्र के पिपरा रामलाल गांव में न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध पक्का निर्माण हटवाते हुए ग्राम सभा की भूमि को कब्जामुक्त कराया। प्रशासन के अनुसार ग्राम पिपरा रामलाल, तप्पा सगरा में गाटा संख्या 1028 और 1029 की भूमि पर अवैध निर्माण की शिकायत मिली थी। इसमें गाटा संख्या 1028 की 0.0630 हेक्टेयर भूमि राजस्व अभिलेखों में खेल के मैदान के रूप में दर्ज है, जबकि गाटा संख्या 1029 की 0.0140 हेक्टेयर भूमि ग्राम समाज की है। शिकायत के बाद वर्ष 2022 में क्षेत्रीय लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर बेदखली का वाद दर्ज किया गया था। दोनों पक्षों को सुनवाई का अवसर देने के बाद तहसीलदार न्यायिक, डुमरियागंज की अदालत ने 12 जून 2026 को बेदखली का आदेश पारित किया था। आदेश के विरुद्ध अब्दुल सलाम की ओर से जिलाधिकारी न्यायालय में अपील दाखिल की गई। जिलाधिकारी न्यायालय ने पांच अगस्त 2026 को तहसीलदार न्यायिक के आदेश को बरकरार रखते हुए बेदखली का आदेश दिया। इसी आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने कार्रवाई की। मौके पर ग्राम प्रधान, राजस्व अधिकारी और पुलिस बल मौजूद रहा। कार्रवाई के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था सामान्य बनी रही।

श्रम विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 280 पंजीकृत पात्र लाभार्थियों को पोषण, स्वच्छता तथा शैक्षणिक सामग्री किट का वितरण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। अल्मोड़ा जनपद के सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दौलाघट स्थित श्री रामलीला मैदान में श्रम विभाग के 'उत्तराखंड भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड' द्वारा आयोजित विशाल किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई और दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रम विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत 280 पंजीकृत पात्र लाभार्थियों- महिला श्रमिकों, पुरुषों एवं बच्चों को पोषण किट, स्वच्छता किट तथा शैक्षणिक सामग्री किट का वितरण किया। कैबिनेट मंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत और पसीना बहाकर विकास की मजबूत नींव रखने वाले हमारे श्रमिक भाइयों-बहनों के हितों की रक्षा करना हमारी सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। हमारी सरकार श्रमिकों के हर सुख-दुख में उनकी सच्ची साथी बनकर साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विवाह सहायता, प्रसूति सहायता, छात्रवृत्ति, कौशल उन्नयन व स्वास्थ्य जैसी योजनाओं का सीधा लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पारदर्शी रूप से पहुंचाया जा रहा है। समारोह के दौरान अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि पंजीकरण प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाया जाए, ताकि कोई भी पात्र श्रमिक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

शहीद स्मारक पर 101 फीट तिरंगा व हाल रूम बनाने की मांग का विधायक ने लिया संज्ञान

मिजार्मुराद (वेलकम इंडिया)। चोलापुर अजगरा विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक त्रिभुवन राम ने चोलापुर थाने एवं शहीद स्मारक का निरीक्षण किया। इस दौरान किसान नेता अजीत सिंह डोभी भी मौजूद रहे। किसान नेता अजीत सिंह डोभी ने बताया कि बनारस जिले का इकलौता शहीद स्मारक चोलापुर में स्थित है। उन्होंने शहीदों के सम्मान में शहीद स्मारक परिसर में 101 फीट ऊंचा तिरंगा लगाए जाने की मांग की थी। इसी मांग के संबंध में विधायक त्रिभुवन राम शहीद स्मारक का निरीक्षण करने पहुंचे। इसके साथ ही विधायक त्रिभुवन राम ने चोलापुर थाने के अंदर स्थित ऐतिहासिक स्थलों का भी निरीक्षण किया। बताया गया कि अंग्रेजी शासन के दौरान थाने में हुई गोलीबारी में पांच जवान शहीद हुए थे। विधायक जी ने उस स्थान का भी जायजा लिया, जहां अंग्रेजों द्वारा गोली चलाए जाने की घटना हुई थी। विधायक जी ने थाने के अंदर स्थित अंग्रेजों के समय के पुराने कुएं का भी निरीक्षण किया। अजीत सिंह डोभी ने बताया कि उस दौर में अंग्रेज भारतीयों को कुएं में लटकाकर मारते थे। विधायक जी ने इन सभी ऐतिहासिक स्थलों का निरीक्षण कर उनके संरक्षण और शहीदों की स्मृति को सम्मान देने से जुड़े विषयों की जानकारी ली। 101 फीट ऊंचे तिरंगे की मांग को लेकर विधायक जी के निरीक्षण से क्षेत्रवासियों में उम्मीद जगी है कि चोलापुर के इस ऐतिहासिक शहीद स्मारक को उचित सम्मान और पहचान मिलेगी।

बृजवासियों की मिठास पर महंगाई की मार, चीनी बनी आर्थिक बोझ

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ पारंपरिक मिठाइयों के लिए भी देशभर में प्रसिद्ध है। मथुरा का पेड़ा, रबड़ी, लड्डू और अन्य मिष्ठान न केवल ब्रजवासियों की पहचान हैं, बल्कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की पहली पसंद भी हैं। ऐसे में चीनी की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों के साथ-साथ मिठाई कारोबार से जुड़े व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले तीन महीनों में चीनी के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई है। जून और जुलाई में चीनी का थोक भाव 4400 रुपये प्रति क्विंटल था, लेकिन अगस्त में इसमें अचानक उछाल आ गया और कीमत 5900 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई। यानी महज दो महीने में चीनी के दाम में 1500 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ती कीमतों का सीधा असर मथुरा के प्रसिद्ध मिठाई उद्योग पर पड़ने की आशंका है। ब्रज क्षेत्र में हजारों परिवार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दूध और मिष्ठान व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। ऐसे में चीनी के दाम बढ़ने से मिठाइयों के निर्माण की लागत लगातार बढ़ रही है। 111 साल पुरानी चीनी फर्म के मंडी समिति के वरिष्ठ व्यापारी अनुराग अग्रवाल ने चीनी की बढ़ती कीमतों पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि चीनी केवल एक खाद्य पदार्थ नहीं है, बल्कि यह आम लोगों के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। चाय से लेकर मिठाइयों तक हर घर में चीनी का उपयोग होता है। ऐसे में इसकी कीमतों में लगातार वृद्धि आम लोगों के बजट को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि त्योहारों का मौसम शुरू होने वाला है और आने वाले दिनों में जन्माष्टमी, राधाष्टमी, नवरात्र, दशहरा, दीपावली और अन्य धार्मिक आयोजनों के कारण मिठाइयों की मांग बढ़ जाएगी। यदि चीनी की कीमतों में इसी तरह वृद्धि जारी रही तो मिठाइयों के दाम बढ़ना लगभग तय माना जा रहा है। अनुराग अग्रवाल ने मीडिया के माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए कहा कि बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते आवश्यक निर्णय नहीं लिए गए तो महंगाई का असर सीधे आमजन पर पड़ेगा। व्यापारियों का मानना है कि ब्रज में धार्मिक आयोजनों, मंदिरों में भोग, प्रसाद और पारिवारिक कार्यक्रमों में मिठाइयों का विशेष महत्व होता है। ऐसे में चीनी के दामों में आई तेजी का असर केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह हर वर्ग की रसोई तक पहुंचेगा। अब सभी की निगाहें सरकार पर टिकी हैं कि बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना: अब 31 अगस्त तक करें आवेदन

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। पारंपरिक कारीगरी से जुड़े लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए संचालित 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' में आवेदन का एक और सुनहरा मौका मिला है। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र की ओर से ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब इच्छुक लाभार्थी आगामी 31 अगस्त की शाम पांच बजे तक विभागीय पोर्टल पर आवेदन जमा कर सकते हैं। पहले अंतिम तिथि 17 अगस्त तय थी। जिले को मिला 875 लाभार्थियों का लक्ष्यउपायुक्त उद्योग ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निदेशालय की ओर से सिद्धार्थनगर जिले को कुल 875 लाभार्थियों को लाभांवित करने का लक्ष्य मिला है। इस योजना के दायरे में बढ़ई, नाई, कुम्हार, लोहार, टोकरी बुनकर, मोची, धोबी और राजमिस्त्री ट्रेड के पारंपरिक कारीगर आएंगे। योजना का मकसद इन वर्गों की आजीविका के साधनों को और मजबूत करना है। 10 दिन की ट्रेनिंग और मिलेगी फ्री टूलकिटचयनित कारीगरों को संबंधित ट्रेड में 10 कार्यदिवसों का नि:शुल्क कौशल वृद्धि प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की शुरूआत और समापन पर लाभार्थियों का कड़ा आकलन होगा, जिसके बाद उन्हें आरपीएल प्रमाणपत्र दिया जाएगा। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद उनके व्यवसाय को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए उन्नत किस्म की फ्री टूलकिट (टूल बॉक्स) भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह है पात्रता और आवेदन का तरीकायोजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी अनिवार्य है। साथ ही वह स्थानीय स्तर पर उसी पारंपरिक व्यवसाय से जुड़ा होना चाहिए। इच्छुक और पात्र कारीगर विभागीय वेबसाइट msme.up.gov.in पर जाकर बिना किसी शुल्क के ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कांग्रेस की बैठक में हंगामा और मारपीट मामला, पांच नामजद समेत 15 अज्ञात पर हुआ मुकदमा, एससी-एसटी एक्ट भी लगा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/नौहझील। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत नौहझील स्थित रामा मैरिज गार्डन में आयोजित बैठक के दौरान हुए विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है। कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ कथित मारपीट के मामले में नौहझील पुलिस ने पांच नामजद और 15 अज्ञात युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मुकदमे में एससी-एसटी एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराएं भी लगाई गई हैं। मामले की जांच सीओ अमरनाथ यादव को सौंपी गई है। बताया गया कि शुक्रवार को विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में पार्टी की पर्यवेक्षक डॉ. अंजलि निंबालकर पदाधिकारियों से जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर फीडबैक ले रही थीं। इसी दौरान कुछ युवक बैठक स्थल पर पहुंच गए। देखते ही देखते माहौल गरमा गया और दोनों पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर, जिला उपाध्यक्ष अप्रतिम सक्सेना, जिला सचिव दीपक दीक्षित और पूर्व शहर अध्यक्ष एवं हाथरस कोऑर्डिनेटर विक्रम वाल्मीकि के साथ मारपीट की गई। बैठक स्थल पर कुर्सियां फेंके जाने से भी अफरा-तफरी मच गई। घटना में चार कांग्रेस पदाधिकारियों के घायल होने की बात सामने आई, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना को लेकर पूर्व शहर अध्यक्ष एवं हाथरस कोऑर्डिनेटर विक्रम वाल्मीकि ने नौहझील पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में मारपीट के साथ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करने का आरोप लगाया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रामगढ़ी निवासी दिलीप चौधरी, अवाखेड़ा निवासी मनफूल, प्रशांत चौधरी, पुष्पेंद्र जाट और गौरव जाट के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार प्रशांत चौधरी, पुष्पेंद्र जाट और गौरव जाट का पता तहरीर में अज्ञात दशार्या गया है। इनके अतिरिक्त 15 अज्ञात युवकों को भी मुकदमे में शामिल किया गया है। वहीं, बैठक में हुए विवाद को लेकर दूसरे पक्ष की ओर से भी पुलिस को तहरीर दी गई है। दूसरे पक्ष ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर सहित अन्य लोगों पर मारपीट के आरोप लगाए हैं।

वृंदावन में साधु की धारदार हथियार से हत्या

वृंदावन। चामुंडा देवी मंदिर कट के पास जंगल में एक खंडहर मकान के पास सोमवार देर रात एक साधु की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। साधु को बचाने पहुंचे उसके दो साथियों पर भी हमलावर ने जानलेवा हमला कर दिया। दोनों घायल हो गए। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गया। मारुति नगर स्थित प्रेमकुटी निवासी 45 वर्षीय राघव रास उर्फ वटूर के रूप में हुई है। वह मूलरूप से इटावा जिले के बहादुरपुर के रहने वाले थे। करीब पांच साल से वृंदावन में साधु के रूप में रह रहे थे। उन्होंने प्रेम दास को अपना गुरु बनाया था। पुलिस ने मृतक के भाई और बहन से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर परिजन इटावा से वृंदावन पहुंचे और शव की पहचान की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, राघव रास दिन में रावल गए थे। रात में रावल निवासी 45 वर्षीय शिवराम उन्हें बाइक से चामुंडा देवी मंदिर कट के पास छोड़ने आया था। दोनों वृंदावन-मांट मार्ग से नीचे जंगल में बने खंडहर मकान के पास पहुंचे थे। इसी दौरान वहां पहले से मौजूद एक अज्ञात व्यक्ति से साधु और शिवराम का विवाद हो गया। शोर सुनकर साधु का तीसरा साथी मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ निवासी 32 वर्षीय अर्जुन भी मौके पर पहुंच गया।

आजाद समाज पार्टी की जिलेवार समीक्षा बैठक 23 अगस्त को संतकबीरनगर में, पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. मसूद अहमद होंगे शामिल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की ओर से संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलेवार समीक्षा बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 23 अगस्त को संतकबीरनगर में जिलेवार समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में पार्टी में शामिल पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. मसूद अहमद प्रमुख रूप से शामिल होंगे। आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष राम अनुज फौजी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. मसूद अहमद के नेतृत्व में अगस्त माह से विभिन्न जनपदों में संगठनात्मक समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में 23 अगस्त को संतकबीरनगर के खलीलाबाद बाईपास चौराहे स्थित आदर्श होटल में समीक्षा बैठक आयोजित होगी। जिला अध्यक्ष राम अनुज फौजी ने बताया कि बैठक में जिले के सभी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी विधानसभा अध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों, सेक्टर अध्यक्षों तथा बूथ कमेटियों के पदाधिकारियों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने की अपील की है। बैठक में पदाधिकारियों से उनके द्वारा पिछले एक महीने के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए संगठनात्मक कार्यों का पूरा विवरण साथ लेकर आने को कहा गया है। इसके आधार पर संगठन की सक्रियता, सदस्यता, बूथ स्तर पर गतिविधियों और क्षेत्र में पार्टी के कार्यक्रमों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। पार्टी नेतृत्व द्वारा आयोजित इन समीक्षा बैठकों का मुख्य उद्देश्य संगठन की मौजूदा स्थिति का आकलन करने के साथ-साथ कार्यकताओं को जमीनी स्तर पर और अधिक सक्रिय करना बताया जा रहा है। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने की रणनीति पर भी चर्चा होने की संभावना है। जिला अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से निर्धारित समय पर बैठक स्थल पर पहुंचकर अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

पांच दिवसीय एफ.एल.एन. प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

बच्चों की सक्रिय सहभागिता और संवाद बढ़ाने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बीआरसी सेमरियावां पर संचालित पांच दिवसीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण मंगलवार के दिन सम्पन्न हुआ। प्रतिभागी शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को बच्चों में भाषा एवं गणितीय दक्षताओं के विकास के लिए गतिविधि आधारित एवं सहभागी शिक्षण के विभिन्न तरीकों से अवगत कराया गया। साथ ही समावेशन, सक्रिय सहभागिता, स्थानीय संदर्भ, निरंतर आंकलन समूह कार्य पर जोर दिया गया। समापन पर खंड शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने कहा प्राथमिक स्तर पर सभी बच्चों में पढ़ने लिखने और संख्या ज्ञान में ग्रेड स्तर की अपेक्षित योग्यता हासिल करना है। प्रशिक्षक गणेश प्रसाद और जफीर अली ने प्रशिक्षण में प्रतिभागियों ने समूहों में कार्य करते हुए विभिन्न गतिविधियों, चार्ट एवं शिक्षण सामग्री के माध्यम से अपने विचारों को प्रस्तुत किया। प्रशिक्षकों ने बताया कि कक्षा शिक्षण को बच्चों के लिए रुचिकर और प्रभावी बनाने के लिए स्थानीय परिवेश एवं दैनिक जीवन से जुड़ी गतिविधियों का प्रयोग महत्वपूर्ण है। बच्चों को केवल पाठ पढ़ाने के बजाय उन्हें गतिविधियों में शामिल कर सीखने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक समूह कार्य एवं प्रस्तुतीकरण में भाग लिया। शिक्षकों के बीच आपसी चर्चा के माध्यम से कक्षा-कक्ष की वास्तविक परिस्थितियों में गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रशिक्षकों ने कहा कि निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक शिक्षक को बच्चों की बुनियादी भाषायी एवं गणितीय दक्षताओं पर विशेष ध्यान देना होगा। नियमित अभ्यास, बच्चों की सहभागिता, गतिविधि आधारित शिक्षण तथा निरंतर आकलन से सीखने के स्तर में बेहतर सुधार लाया जा सकता है। प्रशिक्षण में जफीर अली, गणेश प्रसाद चौरसिया, के. एन. पांडेय, सूचित कुमार जायसवाल एवं संतोष कुमार तिवारी ने प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण में माला श्रीवास्तव, अंजलि पांडेय, साजिदा खातून, जुबेर अहमद, शाद खान, रेहाना खातून, सुधीर श्रीवास्तव, भरत कुमार, रवीश कुमार, आदि मौजूद रहे।

ट्रक चालक की हत्या कर आग के हवाले करने का खुलासा, प्रेम संबंध खत्म करने को महिला ने रची थी हत्या की साजिश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। कोतवाली पुलिस ने ट्रक चालक बलविंदर सिंह की हत्या के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला ने प्रेम संबंध समाप्त करने के उद्देश्य से पूरी वारदात की साजिश रची थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड तथा प्लास्टिक की डीजल केन बरामद करने का दावा किया है। आरोपी महिला को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 10 जुलाई को रुद्रपुर से माल लेकर नेपाल बॉर्डर की ओर जा रहे ट्रक चालक बलविंदर सिंह की ट्रक में आग लगने से मौत हो गई थी। शुरूआती तौर पर मामला हादसा प्रतीत हो रहा था, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए परिजनों ने संदेह जताया। मृतक के भाई गुरमीत सिंह की तहरीर पर 17 जुलाई को कोतवाली पूरनपुर में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों, तकनीकी जांच और अन्य महत्वपूर्ण सुरागों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। जांच के दौरान पुलिस ने अमनदीप कौर पत्नी सुखविंदर सिंह निवासी बड़ा बरसाना थाना बिलासपुर जनपद रामपुर, हाल निवासी सोढ़ी कॉलोनी रुद्रपुर (उत्तराखंड) को गोमती गुरुद्वारा के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान महिला ने पुलिस को बताया कि उसके बलविंदर सिंह के साथ पिछले दो-तीन वर्षों से संबंध थे। वह इन संबंधों को समाप्त करना चाहती थी, लेकिन बलविंदर सिंह कथित रूप से उसके अश्लील फोटो और वीडियो परिवार के सदस्यों तथा सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देता था। महिला के अनुसार वह लगातार मानसिक दबाव में थी और इसी कारण उसने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला ने सुनियोजित तरीके से धन्ना बाबा गुरुद्वारा से आगे बड़ी नहर के पास ट्रक को रुकवाया और मौके का फायदा उठाकर लोहे की रॉड से बलविंदर सिंह पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने वारदात को दुर्घटना का रूप देने के उद्देश्य से ट्रक और शव पर डीजल छिड़ककर आग लगा दी, ताकि किसी को हत्या का संदेह न हो। हालांकि पुलिस की गहन जांच में कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिन्होंने पूरे मामले की परतें खोल दीं। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड और डीजल केन भी बरामद कर ली है। अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बारिश में कीचड़ और जलभराव से बेहाल हुआ मुख्य मार्ग, ग्रामीणों में आक्रोश

वेलकम इंडिया संवाददाता

न्यूरिया, पीलीभीत। मरौरी ब्लॉक की ग्राम पंचायत हरैया उर्फ हरकिशनापुर में ग्राम पंचायत सचिवालय से हरैया गांव तक जाने वाले मुख्य मार्ग की हालत बारिश के चलते बदहाल हो गई है। सड़क पर जगह-जगह जलभराव और कीचड़ जमा होने से ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल हो गया है। मार्ग की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।ग्रामीणों के मुताबिक बारिश के बाद सड़क पर पानी और कीचड़ जमा हो जाता है। ऐसे में राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सबसे अधिक दिक्कत स्कूली बच्चों को हो रही है। बच्चों को इसी रास्ते से होकर स्कूल आना-जाना पड़ता है। कीचड़ के कारण उनके फिसलकर गिरने का खतरा बना रहता है और कई बार उन्हें गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य मार्ग लंबे समय से समस्या का कारण बना हुआ है, लेकिन बारिश के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है। जलनिकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर पानी जमा रहता है, जिससे मार्ग की स्थिति लगातार खराब हो रही है।ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों और ग्राम पंचायत से जल्द सड़क की मरम्मत कराने के साथ ही जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में ग्रामीणों और स्कूली बच्चों की परेशानी और बढ़ सकती है।

खाद और ईंट से भरे ट्रकों की भिड़ंत, चालक बाल-बाल बचे

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर खाद गोदाम के निकट मंगलवार को यूरिया खाद से भरे ट्रक और ईंटों से लदे ट्रक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों ट्रक क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि दोनों चालक बाल-बाल बच गए। कैराना कोतवाली क्षेत्र के गांव जहानपूरा निवासी जाकिर हसन यूरिया खाद से भरा ट्रक लेकर दिल्ली रोड स्थित खाद गोदाम पर आ रहा था। इसी दौरान कस्बे की ओर से ईंटों से लदा ट्रक लेकर जा रहे चालक राशिद निवासी जलालपुर थाना बडौत खाद गोदाम के निकट पहुंचा। दोनों ट्रकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया। हादसे में दोनों चालकों के सुरक्षित बचने पर लोगों ने राहत की सांस ली।

ग्रामीणों से संवाद कर धनपति वर्मा ने मांगा सहयोग, बोले–बदलाव की नई दिशा तय होगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। मंगलवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व्यापक जनसंपर्क एवं भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने मेथी, सण्डिया, सण्डा, कल्लिया, नौआनगरी, हरकिशनापुर, पिपरही, बरी, अलीगंज, मानपुर, दुवहा, महोफ,चौड़ाखेड़ा, कुंआखेड़ा, पंडरी, शिवपुरिया और बिठौरा खुर्द सहित कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों और पार्टी कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया।जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा एडवोकेट ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता के सुख-दुख की सच्ची साथी है। प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, युवाओं के भविष्य और कानून-व्यवस्था जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर सरकार की नीतियों पर उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य और समय पर भुगतान, युवाओं को रोजगार तथा आम जनता को महंगाई से राहत मिलना जरूरी है। लेकिन मौजूदा सरकार इन मूलभूत समस्याओं के समाधान में अपेक्षित रूप से सफल नहीं हो सकी है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी हर वर्ग की आवाज बनकर जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाती रही है और आगे भी संघर्ष जारी रखेगी।धनपति वर्मा ने ग्रामीणों से कहा कि लोकतंत्र में जनता की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पूर्व समाजवादी सरकार में किए गए विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव पहुंचकर लोगों से संवाद करने और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जनता के सहयोग और समर्थन से प्रदेश में बदलाव की नई दिशा तय होगी। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया।इस अवसर पर डॉ. ऋषिपाल वर्मा, कामता प्रसाद, राजीव कुमार वर्मा, सतीश कुमार वर्मा, वीर प्रताप सिंह, सुरेश चंद्र, सेवाराम, जगदीश लोधी, शोभित, वेद प्रकाश दीक्षित, शंकर लाल, अरमान अली, अरविंद राजपूत, प्रशांत कुमार गंगवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं

जंगल में फंदे पर लटका मिला युवक का शव, पिता ने दी तहरीर

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव किवाना निवासी युवक का शव सोमवार शाम खंदरावली के जंगल में फंदे पर लटका मिला। पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार को शव गांव पहुंचने पर परिजनों ने गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक के पिता ने एक व्यक्ति और बैंक अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।गांव किवाना निवासी परीक्षित शामली स्थित श्रीराम फाइनेंस में प्रॉपर्टी लोन कराने का कार्य करता था। सोमवार को वह खंदरावली क्षेत्र में जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर शाम उसका शव खंदरावली के जंगल में फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। मृतक के पिता गजेंद्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने दिन में कई बार अपने बेटे को फोन किया, लेकिन परीक्षित ने फोन नहीं उठाया। इसी दौरान खेडी करमू निवासी एक व्यक्ति उनके घर आया और बताया कि परीक्षित उसका फोन नहीं उठा रहा है। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने लोन कराने के लिए परीक्षित को कागजात दे रखे थे।तहरीर के अनुसार, परीक्षित के फोन नहीं उठाने पर उक्त व्यक्ति शामली शाखा में पहुंचा और उसके संबंध में जानकारी की। मृतक के पिता का आरोप है कि वहां परीक्षित के बारे में अपशब्द कहे गए। पिता ने खेडी करमू निवासी व्यक्ति समेत बैंक अधिकारी पर घटना में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी बच्चू सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है।

कुरैया में नाग पंचमी मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब, दंगल में पहलवानों ने दिखाए दांव-पेंच

वेलकम इंडिया संवाददाता

कुरैया, पीलीभीत। ग्राम कुरैया में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नाग पंचमी के पावन पर्व पर भव्य मेले का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। भक्तों ने नाग देवता एवं भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं ने जल, दूध, पुष्प, रोली, अक्षत और प्रसाद अर्पित कर धार्मिक अनुष्ठान किए।मेले को लेकर महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने मेले में खरीदारी की और विभिन्न मनोरंजन साधनों का आनंद लिया। बच्चों के लिए लगाए गए झूले, खिलौने और अन्य आकर्षण मेले में विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। चाट-पकौड़ी, मिठाई, पेय पदार्थ सहित खानपान की दुकानों पर भी दिनभर लोगों की भीड़ लगी रही।नाग पंचमी मेले में धार्मिक आस्था के साथ ग्रामीण संस्कृति की भी झलक देखने को मिली। दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन कर मेले का आनंद लिया। पूरे दिन मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा। दंगल में पहलवानों ने दिखाए दमदार दांवमेले के अवसर पर मेला अध्यक्ष नरेश शर्मा माइकल एडवोकेट की ओर से दंगल प्रतियोगिता का आयोजन भी कराया गया। इसमें दूर-दराज क्षेत्रों से आए पहलवानों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती देते हुए शानदार दांव-पेंच दिखाए। रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी।दंगल में विजेता पहलवान शाहिद गहलुईया को मेला कमेटी की ओर से 1500 रुपये तथा उपविजेता पहलवान विपिन बरेली को 700 रुपये का पुरस्कार दिया गया। ग्रामीणों ने भी पहलवानों का उत्साह बढ़ाते हुए अपनी ओर से इनाम देकर उनका सम्मान किया।

मेले और दंगल के दौरान गढ़वा खेड़ा पुलिस चौकी इंचार्ज संतोष कुमार अपनी टीम के साथ लगातार मौके पर मौजूद रहे। पुलिस टीम ने भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए रखी। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी के चलते मेला शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। आयोजन समिति, पुलिस प्रशासन और ग्रामीणों के सहयोग से नाग पंचमी का आयोजन धार्मिक आस्था, सामाजिक एकजुटता और ग्रामीण संस्कृति का सुंदर संगम बन गया।

घर के बाहर से भरा गैस सिलेंडर चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ संदिग्ध

कांधला। कस्बे के मोहल्ला मौलानान में एक मकान सें गैस सिलेंडर को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति सिर पर सिलेंडर लेकर जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस तलाश में जुटी हुई है। कस्बे के मोहल्ला मौलानान निवासी सादिक हसन पुत्र साबिर हसन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके घर की बाहरी गैलरी में भरा हुआ गैस सिलेंडर रखा था. दिन के समय अज्ञात व्यक्ति घर की कुंडी खोलकर सिलेंडर चोरी कर ले गया। पीड़ित के अनुसार दिन में घर पर कोई नहीं रहता है। उसके बच्चे स्कूल और पत्नी स्कूल में पढ़ाने के लिए गई हुई थींपरिजनों के घर लौटने पर सिलेंडर गायब मिला। इसके बाद पीड़ित ने मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में करीब 11:30 बजे एक व्यक्ति सिर पर भरा हुआ सिलेंडर लेकर जाता दिखाई दिया, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी।

सपा की बैठक में गूंजा सामाजिक न्याय का संदेश, जनसंपर्क बढ़ाने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र 129 पूरनपुर के ग्राम पंचायत फत्तेपुर सिमराय में मंगलवार को रामपाल वर्मा के आवास पर समाजवादी पार्टी की पीडीए बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, आगामी चुनावों की तैयारियों और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक में सेक्टर प्रभारी, बूथ प्रभारी और पार्टी कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में भागीदारी की।

बैठक की अध्यक्षता विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने की। मुख्य अतिथि समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सपा नेता राजकुमार ह्यराजूह्व रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष उमाशंकर यादव रहे। संचालन रामनाथ वर्मा एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ओमकार भारती ने किया। मुख्य अतिथि राजकुमार 'राजू' ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका जमीनी कार्यकर्ता है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन जितना मजबूत और सक्रिय होगा, पार्टी उतनी ही मजबूती से जनता की आवाज बनेगी। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव संपर्क बढ़ाने, लोगों की समस्याएं सुनने और पूरी निष्ठा के साथ संगठन के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

पूर्व जिला अध्यक्ष उमाशंकर यादव ने कहा कि पीडीए का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को सम्मान, अधिकार और सामाजिक न्याय से जोड़ना है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव और बूथ स्तर पर पहुंचकर लोगों से संवाद स्थापित करने तथा पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जनता तक पहुंचाने की अपील की।विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कहा कि बूथ संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। प्रत्येक बूथ पर कार्यकताओं को सक्रिय कर संगठन को मजबूत करना प्राथमिकता है। उन्होंने सेक्टर एवं बूथ प्रभारियों से नियमित जनसंपर्क करने और मतदाताओं से सीधा संवाद बनाए रखने को कहा। बैठक में राम नाथ वर्मा, ओम शर्मा, भगवानदीन वर्मा, डॉक्टर साहब वक्श, रमेश वर्मा, रामपाल वर्मा, शिवकुमार वर्मा, राजकुमार वर्मा, गेंदलाल वर्मा, पतिराम वर्मा, लाला राम वर्मा, नरेश वर्मा, सचिन वर्मा, फूलचंद, नन्हे लाल वर्मा, ओंकार वर्मा, रामोतर वर्मा, समरलाल वर्मा, गंगाचरण वर्मा, सोनपाल वर्मा, राम दयाल वर्मा, विपिन वर्मा, सटेलाल वर्मा, पच्चू लाल वर्मा, अमन वर्मा, दीपू वर्मा, ह्सर्न वर्मा, रामसेवक वर्मा, धर्मेंद्र वर्मा और राजू वर्मा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 45 वर्षीय युवक संदीप की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के दिल्ली रोड पर गांव जसाला के निकट ट्रैक्टर व बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों में शव को देखकर कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है। बाबरी थाना क्षेत्र के गांव बन्ती खेड़ा निवासी 45 वर्षीय संदीप पुत्र जगपाल मंगलवार सवेरे बाइक पर सवार होकर बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के गांव बामनोली से अपने गांव की ओर जा रहा था। जैसे ही वह थाना क्षेत्र के दिल्ली रोड पर गांव जसाला के समीप पहुंचा तो विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया।आसपास के लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। 108 एंबुलेंस कर्मचारियों ने घायल को उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, मगर चिकित्सकों ने घायल युवक को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस पहुंच गई और मामले की जानकारी परिजनों को दी। परिजन भी अस्पताल पहुंच गए और शव को देखकर कोहराम मच गया।पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुटी हुई है। थाना प्रभारी बच्चू सिंह का कहना है कि तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कांधला के युवा ने हैदराबाद में किया नाम रोशन

आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में मोहम्मद इस्माइल ने जीता खिताब, 10 हजार का पुरस्कार पाकर बढ़ाया क्षेत्र का गौरव

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। कस्बे के युवा मोहम्मद इस्माइल बैग पुत्र मिर्जा परवेज बैग ने हैदराबाद में आयोजित आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। परिजनों के अनुसार तेलंगाना आर्म रेसलिंग एसोसिएशन की ओर से हैदराबाद के नानल नगर स्थित दुरानी फिटनेस क्लब में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।प्रतियोगिता में मोहम्मद इस्माइल ने दमदार प्रदर्शन कर जीत हासिल की।

विजेता बनने पर उन्हें 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया, परिजनों के अनुसार नकद पुरस्कार कप टुडे कैफे की ओर से दिया गया। मोहम्मद इस्माइल बैग तीसरी बार विजेता बने हैं।मोहम्मद इस्माइल की इस उपलब्धि से कांधला क्षेत्र में खुशी का माहौल है। नगर के भावी चेयरमैन प्रत्याशी व सभासद जुनैद मुखिया सहित कस्बे के लोगों और खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। युवाओं ने कहा कि इस्माइल की सफलता क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

ठेकेदार की प्रताड़ना से परेशान संविदा कर्मचारी ने जहरीला पदार्थ खाया

कांधला। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम स्थित नगर पंचायत में तैनात एक संविदा कर्मचारी ने ठेकेदार की कथित प्रताड़ना से परेशान होकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर जान देने का प्रयास किया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी मिंटू नगर पंचायत में संविदा कर्मचारी के रूप में वाहन चालक के पद पर तैनात है। मंगलवार को मिंटू ने आरोप लगाया कि ठेकेदार लगातार उसे प्रताड़ित करता है और नगर पंचायत के काम के बजाय अपने घरेलू कार्य कराता है। आरोप है कि ठेकेदार उसे खेत पर ले जाकर मजदूरी भी कराता है। इससे परेशान होकर मंगलवार को मिंटू ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर जान देने का प्रयास किया। जहरीला पदार्थ खाने के बाद उसकी हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

संगठन सृजन अभियान: बरखेड़ा में कांग्रेस की संगठनात्मक हुई बैठक, बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर दिया जोर

बरखेड़ा/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। संगठन सृजन अभियान के तहत मंगलवार को बरखेड़ा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में अनुराग बैंकट हॉल में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उड़ीसा से आए पर्यवेक्षक, पूर्व सांसद एवं पूर्व सीडब्ल्यूसी सदस्य डॉ. रामचंद्र खुटिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कार्यकताओं को सक्रिय करने पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य अतिथि डॉ. रामचंद्र खुटिया ने कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करना और अधिक से अधिक कार्यकताओं को संगठन से जोड़कर उन्हें सक्रिय भूमिका देना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा और संविधान के मूल्यों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करे। उन्होंने कार्यकताओं से गांव, न्याय पंचायत, मंडल और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने तथा आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। साथ ही जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया।जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकताओं से पूरी सक्रियता के साथ अभियान को सफल बनाने की अपील की। बरखेड़ा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरीश कुमार सिंह मौर्य ने अतिथियों एवं कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि ब्लॉक स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा। उन्होंने बूथ स्तर तक कांग्रेस की विचारधारा पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।बैठक में पीसीसी पर्यवेक्षक कुमुद गंगवार, जिला महासचिव नरेश शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष पुष्पा गंगवार, पीसीसी सदस्य अनवर अनीस, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष राजेश वर्मा, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष संदीप गंगवार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और बूथ स्तर की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो सगे भाई-बहन की मौत, परिवार में मचा कोहराम

एक साथ दो मौतों से परिजन समेत क्षेत्र में शोक की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़। क्षेत्र के थाना अहमदगढ़ अंतर्गत गांव खखुड़ा के समीप सोमवार देर रात करीब 12:30 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो सगे भाई-बहन की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव करकौरा महाराजपुर निवासी केशव पुत्र अनिल कुमार अपनी बहन तन्नू उर्फ हिमांशी के साथ उसकी ससुराल गौतमबुद्ध नगर के आकलपुर टयाना से बाइक पर सवार होकर अपने गांव लौट रहे थे। खखुड़ा पुल के पास पहुंचने पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए बुलंदशहर भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना अहमदगढ़ पुलिस भी मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है थाना प्रभारी का कहना है कि पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू कर दी। आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में पुलिस जुटी है। उधर हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई

धर्मेंद्र सिंह बने कांग्रेस के एससी/एसटी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

जिलाध्यक्ष बनने पर घर पर एवं दूरभाष के माध्यम से बधाई देने वाले लोगों का क्रम जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण नियुक्ति करते हुए धर्मेंद्र सिंह को जनपद बुलंदशहर के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह नियुक्ति कांग्रेस के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देश और शीर्ष नेतृत्व की संस्तुति पर की गई है। पार्टी ने धर्मेंद्र सिंह के प्रति निष्ठा, सामाजिक सरोकार और संगठन के लिए किए गए कार्यों को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों की आवाज को बुलंद करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। साथ ही कांग्रेस की नीतियों और जनहित से जुड़ी योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुंचाने के लिए कार्य करने की बात कही। धर्मेंद्र सिंह की नियुक्ति पर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यकताओं और शुभचिंतकों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी और संगठन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद व्यक्त की। पार्टी कार्यकताओं का कहना है कि नई जिम्मेदारी के साथ धर्मेंद्र सिंह के सामने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और एससी/एसटी वर्ग के बीच पार्टी की सक्रियता बढ़ाने की महत्वपूर्ण चुनौती होगी।

भाकियू महाशक्ति का चौधरी प्रदीप पंवार को जिला प्रवक्ता किया मनोनीत

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति द्वारा 18 अगस्त को चौधरी प्रदीप पंवार को जिला प्रवक्ता के पद पर भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह द्वारा मनोनीत किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संगठन ने विश्वास जताया कि चौधरी प्रदीप पंवार किसान हितों की आवाज को मजबूती से उठाने के साथ संगठन को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मनोनयन पर कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया।

आईआईटी बीएचयू के सुरक्षाकर्मी पर हमले के मामले में बीएचयू छात्र नेता समेत दो दोषमुक्त

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के सुरक्षाकर्मी पर धारदार हथियार से हमला कर कान काटने के मामले में बीएचयू छात्र नेता समेत दो आरोपितों को अदालत से बड़ी राहत मिली है। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (नवम) अमित कुमार यादव की अदालत ने सुनवाई के दौरान आरोप सिद्ध न होने पर जंसा निवासी छात्र नेता प्रशांत गिरी और लोहता निवासी नित्यानंद गिरी को दोषमुक्त कर दिया। मामले में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव, बृजपाल सिंह यादव 'गुड्डू' और नरेश यादव ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार जंगीपुर, गाजीपुर निवासी धीरेन्द्र राय ने लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में बताया गया था कि वह आईआईटी बीएचयू में सुरक्षाकर्मी के रूप में कार्यरत था और 21 नवंबर 2025 की रात करीब 9:15 बजे एंबुलेंस चालक की ड्यूटी पर था। वह सर सुंदरलाल अस्पताल, बीएचयू के आपातकालीन विभाग में भर्ती एक मरीज के लिए एंबुलेंस लेकर पहुंचा था। सड़क पर एंबुलेंस खड़ी करने को लेकर उसकी दो छात्रों से कहासुनी हो गई। आरोप था कि कहासुनी के दौरान प्रशांत गिरी और नित्यानंद गिरी ने सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट शुरू कर दी। प्राथमिकी में धारदार हथियार से उसके दाहिने कान पर हमला कर कान काटने का भी आरोप लगाया गया था। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोग और सुरक्षाकर्मी के सहयोगी मौके पर पहुंचे। इसके बाद घायल सुरक्षाकर्मी को उपचार के लिए बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। घटना के बाद पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना पूरी करने के बाद न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर सका। साक्ष्यों और मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने दोनों आरोपितों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

चोला पुलिस और स्वाट टीम की मुठभेड़ में दो गौ तस्कर हुए घायल, गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। थाना चोला पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में मंगलवार तड़के दो शातिर गौ तस्करों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस और बिना नंबर की बाइक बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, 17/18 अगस्त की रात थाना चोला पुलिस और स्वाट टीम सिकंदराबाद-खुर्जा रोड स्थित पचौता गेट के सामने संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उन्होंने बाइक मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने पीछा कर घेराबंदी की तो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस के मुताबिक आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। घायल आरोपियों की पहचान आरिफ पुत्र रमजान और राशिद पुत्र अलाउद्दीन, दोनों निवासी ग्राम सुतारी, थाना चोला, बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, दो 315 बोर के तमंचे, तीन जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी शातिर गौ तस्कर हैं और 15 अगस्त को ग्राम सब्दलपुर एवं सुतारी के बीच जंगल में हुई गौकशी की घटना में वांछित थे। इस मामले में थाना चोला में मुकदमा संख्या 217/26 के तहत गोवध अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। आरिफ के खिलाफ पूर्व में हत्या समेत तीन मुकदमे दर्ज बताए गए हैं, जबकि राशिद के खिलाफ भी गोवध अधिनियम, आर्म्स एक्ट तथा मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत तीन मुकदमे दर्ज हैं।

30 जून को सेवानिवृत्त शिक्षकों को नोशनल वेतनवृद्धि का लाभ न मिलने पर रोष

शिक्षक नेता सनत कुमार सिंह ने जताई नाराजगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। 30 जून को सेवानिवृत्त हुए बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों को नोशनल वेतनवृद्धि का लाभ न मिलने से रोष बढ़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ शिक्षक नेता सनत कुमार सिंह ने इस मामले में विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए समस्या का शीघ्र समाधान कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बुजुर्ग सेवानिवृत्त शिक्षकों की लंबित समस्या का जल्द निस्तारण नहीं किया गया तो संगठन आंदोलनात्मक कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगा। सनत कुमार सिंह ने बताया कि शासन द्वारा 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को नियमानुसार एक नोशनल वेतनवृद्धि का लाभ दिए जाने का प्रावधान किया गया है। वाराणसी में बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े वर्ष 2006 से 2015 के बीच 30 जून को सेवानिवृत्त हुए लगभग 700 से अधिक शिक्षक इस लाभ के दायरे में आते हैं। इनमें कई शिक्षक 72 से 82 वर्ष की आयु के हैं। बताया गया कि कुछ सेवानिवृत्त शिक्षकों को इसका लाभ मिल चुका है, लेकिन बड़ी संख्या में शिक्षक अभी भी नोशनल वेतनवृद्धि से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लाभ की प्रतीक्षा कर रहे बुजुर्ग शिक्षक विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। लेखा कार्यालय की शिथिलता के कारण प्रकरणों के निस्तारण में अनावश्यक देरी हो रही है। वर्तमान में कार्यालय में कर्मचारियों की कमी को कार्य लंबित रहने का कारण बताया जा रहा है, लेकिन इससे सेवानिवृत्त शिक्षकों की परेशानी बढ़ रही है। सनत कुमार सिंह ने कहा कि जिन शिक्षकों ने वर्षों तक शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं दीं, उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद अपने वैध लाभ के लिए परेशान होना पड़ रहा है, जो उचित नहीं है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से मांग की कि सभी पात्र सेवानिवृत्त शिक्षकों के प्रकरणों की जांच कर नोशनल वेतनवृद्धि का लाभ शीघ्र प्रदान किया जाए।

जिलाधिकारी ने इंडोर मिनी स्टेडियम निर्माण का किया निरीक्षण, धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत 50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली निमार्णाधीन परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने मंगलवार को राजकीय इंटर कॉलेज और राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, बुलंदशहर में निमार्णाधीन इंडोर मिनी स्टेडियम का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। दोनों इंडोर मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्यदायी संस्था यूपी प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है। प्रत्येक स्टेडियम की कुल लागत 492 लाख रुपये है। कार्यदायी संस्था को अब तक प्रत्येक परियोजना के लिए 216 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जाने के बाद दूसरी किश्त के लिए कार्यवाही की जाएगी। दोनों परियोजनाओं का निर्माण 30 मार्च 2026 को शुरू हुआ था और इन्हें 31 मार्च 2027 तक पूरा किया जाना प्रस्तावित है। इंडोर मिनी स्टेडियम बनने के बाद छात्र-छात्राओं को एक ही छत के नीचे बॉक्सिंग, कुश्ती, जूडो, कबड्डी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग, शतरंज, कैरम सहित विभिन्न खेलों की सुविधाएं मिल सकेंगी। निरीक्षण के दौरान मौके पर कार्यदायी संस्था का कोई प्रतिनिधि उपस्थित नहीं मिला। साथ ही निर्माण कार्य की प्रगति भी काफी धीमी पाई गई। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धीमी गति से कार्य होने के कारण निर्धारित समयावधि में परियोजना पूरी होने में कठिनाई हो सकती है और छात्र-छात्राओं को समय से आधुनिक खेल सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच के लिए टीम गठित करने के निर्देश दिए। निर्माण में प्रयोग की जा रही ईंटों के सैंपल लैब भेजकर जांच कराने को भी कहा गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डीपीआर में निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण सामग्री का प्रयोग हो रहा है। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक को भी निर्देशित किया कि वे समय-समय पर निर्माण स्थल का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की मॉनिटरिंग करें। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा विद्यालय स्तर पर ही छात्र-छात्राओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की है, जिससे उनकी खेल प्रतिभाओं को निखारकर उन्हें बेहतर भविष्य के अवसर मिल सकें। निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक विनय कुमार सहित दोनों इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वाराणसी में सजेगा ओडिशा की संस्कृति का रंग, 22 से 24 अगस्त तक होगा 'ओडिशा पर्व'

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जीवंत परंपराओं, उत्कृष्ट हस्तशिल्प, लोक एवं शास्त्रीय कलाओं, विशिष्ट खान-पान और पर्यटन स्थलों की अनूठी छटा अब वाराणसी में देखने को मिलेगी। ओडिशा पर्यटन विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा ओडिया भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से 22 से 24 अगस्त 2026 तक दीनदयाल हस्तकला संकुल, ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर एवं क्राफ्ट्स म्यूजियम, वाराणसी में भव्य ह्यओडिशा पर्वह्न का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित होगा। इस आयोजन में हथकरघा, वस्त्र एवं हस्तशिल्प विभाग, ओआरएमएएस, एडीशा तथा मिशन शक्ति की भी सहभागिता रहेगी। तीन दिवसीय यह महोत्सव ओडिशा की विविध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं को उत्तर भारत के दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

'ओडिशा पर्व' में ओडिशा की सांस्कृतिक धरोहर को शास्त्रीय, लोक एवं जनजातीय प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम में ओडिसी, गोटीपुआ, संबलपुरी नृत्य, पाइका अखाड़ा, घूमरा, ढेमसा और घुडुकी जैसी आकर्षक प्रस्तुतियां होंगी। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को ओडिशा की संगीत, नृत्य, लोककथाओं, आध्यात्मिक परंपराओं और वीरता से जुड़ी सांस्कृतिक विरासत को नजदीक से जानने का अवसर मिलेगा। आयोजन में ओडिशा के प्रसिद्ध हथकरघा उत्पादों, हस्तशिल्प वस्तुओं, पारंपरिक डिजाइनों, बुनाई कला तथा जीआई टैग प्राप्त उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। देशभर में पहचान बना चुके ओडिशा के शिल्प और वस्त्र एक ही मंच पर देखने को मिलेंगे। विशेष आकर्षण के रूप में मास्टर आर्टिजनों द्वारा लाइव क्राफ्ट डेमोंस्ट्रेशन भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे आगंतुक शिल्प निर्माण की प्रक्रिया को करीब से देख सकेंगे और कारीगरों से सीधे संवाद कर सकेंगे।

'ओडिशा पर्व' में ओडिशा की समृद्ध खाद्य संस्कृति का भी विशेष प्रदर्शन होगा। विभिन्न फूड स्टॉल और लाइव कुकिंग डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से आगंतुकों को ओडिया व्यंजनों के पारंपरिक स्वाद से परिचित कराया जाएगा। छेना पोड़ा सहित कई लोकप्रिय और पारंपरिक व्यंजन लोगों को आकर्षित करेंगे। तटीय, जनजातीय और पारंपरिक ओडिया भोजन की विविधता इस महोत्सव का प्रमुख आकर्षण रहेगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ ओडिशा के प्रमुख पर्यटन स्थलों और अनुभवों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें आध्यात्मिक एवं विरासत पर्यटन, समुद्र तट, वन्यजीव, प्रकृति, इको-टूरिज्म और अनुभवात्मक पर्यटन शामिल होंगे। आगंतुकों को ओडिशा के प्राकृतिक सौंदर्य, विस्तृत समुद्री तटों, जैव विविधता और स्थानीय संस्कृति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाएंगी। 'ओडिशा पर्व' केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं होगा, बल्कि यह पर्यटन, व्यापार और निवेश के नए अवसरों का मंच भी बनेगा। आयोजन के दौरान टूरिज्म रोड शो, ओडिया डायस्पोरा मीट, इन्वेस्टर्स मीट, बी-टू-बी संवाद और बी-टू-जी बैठकें आयोजित की जाएंगी। इनमें पर्यटन व्यवसायियों, निवेशकों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों और ओडिया समुदाय के लोगों की सहभागिता रहेगी। आयोजकों के अनुसार 'ओडिशा पर्व' का उद्देश्य ओडिशा और उत्तर प्रदेश के बीच सांस्कृतिक एवं पर्यटन संबंधों को नई मजबूती प्रदान करना है। वाराणसी और ओडिशा दोनों ही अपनी आध्यात्मिकता, संस्कृति, कला और परंपराओं के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हैं। ऐसे में यह आयोजन दोनों क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक संवाद और जनसंपर्क की नई संभावनाएं विकसित करेगा। ओडिशा पर्यटन विभाग की इस राष्ट्रीय पहल के माध्यम से राज्य की संस्कृति, पर्यटन, हस्तशिल्प, खान-पान और निवेश संभावनाओं को देशभर में नई पहचान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पंचायतों के डिजिटल सशक्तीकरण की दिशा में एक ओर बड़ा कदम, सेवापुरी में प्रधानों और पंचायत सहायकों को मिला एआई प्रशिक्षण

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। ग्राम पंचायतों में डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकास खंड सेवापुरी के ब्लॉक सभागार में ह्यएआई सचिव जीह्न उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधानों, पंचायत सहायकों एवं ग्राम पंचायत सचिवों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एआई आधारित तकनीकों की उपयोगिता और उनके व्यावहारिक प्रयोग की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी राजेश सिंह ने की। पिरामल फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम का संचालन करते हुए सुश्री साक्षी सिंह एवं हरजिंदर सिंह ने 'एआई सचिव जी' वेब पोर्टल की कार्यप्रणाली और उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह पोर्टल विशेष रूप से ग्राम प्रधानों एवं पंचायत प्रतिनिधियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। इसके माध्यम से पंचायत और प्रशासन से जुड़े विभिन्न प्रश्नों के उत्तर आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं। पोर्टल पर लिखित और मौखिक दोनों माध्यमों से प्रश्न पूछने की सुविधा उपलब्ध है, जिससे उपयोगकताओं को त्वरित और सटीक जानकारी मिल सकेगी। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी राजेश सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान समय में प्रशासनिक कार्यों को सरल, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। उन्होंने ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों से अपील की कि वे ह्यएआई सचिव जीह्न पोर्टल का अधिकतम उपयोग करें और इसके माध्यम से शासन की योजनाओं तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाएं। प्रशिक्षण सत्र के दौरान पिरामल फाउंडेशन की टीम ने पोर्टल का लाइव प्रदर्शन किया और प्रतिभागियों को इसकी विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी। बताया गया कि इस पोर्टल के माध्यम से शासनादेश, सरकारी योजनाओं, दिशा-निर्देशों और पंचायतों से संबंधित प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही कई प्रशासनिक कार्यों में त्वरित सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। कार्यक्रम में रूबी सिंह द्वारा ग्राम प्रधानों और पंचायत सचिवों को पोर्टल का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रतिभागियों ने स्वयं पोर्टल पर प्रश्न पूछकर इसकी कार्यप्रणाली को समझा और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इससे पंचायत स्तर पर दैनिक प्रशासनिक कार्यों में एआई तकनीक के उपयोग की संभावनाओं को समझने में मदद मिली।

स्वतंत्रता की भावना से ओतप्रोत - दिल्ली पब्लिक स्कूल मोदीनगर में भव्य स्वतंत्रता दिवस समारोह

अनिल वशिष्ठ

'मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान की गौरवगाथा का प्रतीक है। इसी राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम की भावना को अभिव्यक्त करते हुए दिल्ली पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. विक्रम गांधी, (सचिव डीएमईटी), उनकी बहन श्रीमती राधा चौधरी, श्रीमती अनीशा गांधी, (प्रो-वाइस चेयरपर्सन), दिल्ली पब्लिक स्कूल तथा उनकी माता जी श्रीमती दीपा मलिक की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के तिलक-वंदन एवं पारंपरिक स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगान की गूंज से संपूर्ण विद्यालय परिसर देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो उठा। ध्वजारोहण के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग एवं संदेशपरक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की मनमोहक श्रृंखला प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पहलगाम आतंकी घटना की पृष्ठभूमि और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित प्रस्तुति रही, जिसने वीरता, राष्ट्रप्रेम और देश की सुरक्षा के प्रति समर्पण की भावना को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने देशभक्ति कविताएँ, प्रेरणादायी भाषण एवं ज्ञानवर्धक क्विज प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान, भारतीय संस्कृति की विविधता, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति अपने दायित्वों को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के जयघोष से गूंजता रहा। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के हृदय में राष्ट्रप्रेम और गौरव की भावना को और प्रगाढ़ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. विक्रम गांधी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और संघर्ष से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यों को समझने और उन्हें निष्ठापूर्वक निभाने की जिम्मेदारी भी है। श्रीमती अनीशा गांधी ने अपने प्रेरक संदेश में विद्यार्थियों को देश की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी ही भारत के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ज्योति सिरोही ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ को समझने तथा अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। समारोह का समापन विद्यालय के हैडमास्टर अंकित गालयान के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ । उन्होंने कहा कि हम सभी स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएँगे तथा एक सशक्त, समृद्ध, संवेदनशील और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

मंडलीय कुश्ती के लिए चयन, शारीरिक शिक्षक एवं टीम मैनेजर का पटके पहनाकर स्वागत किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आदर्श जनता इंटर कॉलेज फरीदनगर के पहलवान जो जाट कुश्ती अकादमी खंजरपुर में अंतरराष्ट्रीय पहलवान अभिषेक चौधरी एवं दीपक कुमार अमराला के निर्देशन में कुश्ती के गुण सीख रहे हैं । इन पहलवानों का चयन बुलंदशहर में होने वाली मंडलीय नेशनल स्कूलिंग गेम्स के लिए चयन हुआ है।

विद्यालय पहुंचने पर इन पहलवानों, विद्यालय के शारीरिक शिक्षक अशोक कुमार केन एवं टीम मैनेजर प्रेम चौधरी का पटके पहनाकर स्वागत किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि हमारे विद्यालय के खिलाड़ी निरंतर अभ्यास करते हुए खेलों में विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। जाट कुश्ती अकादमी के संयोजक मास्टर प्रेम चौधरी खंजरपुर ने बताया कि आदर्श जनता इंटर कॉलेज फरीदनगर के पहलवान बहुत ही होनहार है एवं उम्मीद है कि हमारे यह पहलवान नेशनल स्कूलिंग गेम्स में नेशनल लेवल पर पदक जीतकर लायेंगे।

डॉ के एन मोदी कॉलेज में एल्यूमिनी एसोसिएशन द्वारा व्याख्यान माला श्रृंखला का शुभारंभ

एल्युमिनियम संगठन का उद्देश्य अपने पुराने विद्यालय की तरक्की और मदद के लिए योजना बनाना है : डॉ एस सी अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डा. के. ऍन. मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में मोदी इंटर कॉलेज एलुम्नाई एसोसिएशन द्वारा व्याख्यानमाला श्रंखला का शुभारंभ मुख्य अतिथि कॉलेज के पूर्व छात्र के. के. शर्मा (पूर्व आई. आर. एस.) एवं राजेश शर्मा (पूर्व सदस्य, एन. सी. ऍल. टी.) व प्रधानाचार्य डॉ एस सी अग्रवाल के द्वारा किया गया । मुख्य अतिथितियों द्वारा छात्रों से कॉलेज जीवन के उपरांत मार्ग दर्शन और प्रेरणा संदेश किए गए । मुख्य अतिथि केक शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए असफलताओं से घबराए बिना निरंतर आगे बढ़े। असफलता का मतलब अंत नहीं है यह आपको मजबूत बनाने और अगली बार और बेहतर करने का मौका देती है। हमेशा नया सीखने की ललक रखें और हर चीज पर सवाल उठाना नहीं छोड़े।

मुख्य अतिथि द्वारा 2025 ओर 2026 में हाई स्कूल में टॉपर रहे छात्रों को माला पहनकर उनका उत्साहवर्धन किया इस अवसर पर कॉलेज में कैरियर काउंसलिग सेंटर की स्थापना के अवसर पर पूर्व छात्र संजय गौतम (पूर्व बैंकर) चीफ कार्डिनेटर, कैरियर काउंसलिग सेंटर ने कॉलेज के छात्रों को जीविकोपार्जन हेतु भविष्य प्रतियोगी परीक्षा में आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया एवं कैरियर काउंसलिग के महत्व समझाया कोई कोई भी छात्र अपनी करियर संबंधी समस्या को पुरातन छात्र के ग्रुप में डालकर मार्गदर्शन ले सकता है । प्राचार्य डा. एस. सी. अग्रवाल ने मंचासीन अतिथितियों के संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर मेहनत से सफल होने का आह्वान किया। और उन्होंने छात्रों को छात्रों से कहा कि और उन्होंने छात्रों से कहा कि कॉलेज के दौरान बने दोस्त और शिक्षक जीवन भर की पूंजी होते हैं इसलिए उनसे संपर्क बनाए रखें। प्रधानाचार्य और उपस्थित शिक्षकों द्वारा विद्यालय में आए तीनों अतिथियों का बुका और मोमेंटो देकर स्वागत किया गया अंत में एल्युमिनी एसोसिएशन द्वारा प्रधानाचार्य जी को भी प्रतीक चिन्ह देकर उनका आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रवीन जैनर एवं अतिथियों का धन्यवाद श्री राज कुमार सिंह ने किया ।

कार्यक्रम में मयंक कुमारव,सतीश कुमार प्रधान लिपिक गौरव त्यागी राजीव कुमार का सहयोग रहा ।इस अवसर पर इस अवसर पर सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

नाबालिक लड़की की बरामदगी की मांग को लेकर भाकियू ने मुरादनगर थाने पर किया प्रदर्शन ज्ञापन सौंपा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मुरादनगर क्षेत्र के गांव कनौजा की रहने वाली एक नाबालिक लड़की करीब एक माह से गायब है। उसको लेकर भारतीय किसान यूनियन ने मुरादनगर थाने पर धरना प्रदर्शन किया और एक ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी ने कहा कि एक माह से ग्राम कनौजा के लड़की के परिजन थाना मुरादनगर के चक्कर काट रहे हैं रहे हैं कि हमारी लड़की को बरामद करो पता नहीं उसके साथ कभी कोई अनहोनी ना हो जाए। पुलिस की कार्यप्रणाली से नाराज होकर परिजनों ने ग्राम वासियों व भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी ने मुरादनगर थाने पर धरना प्रदर्शन किया। थाना प्रभारी को एक हफ्ते का समय दिया है।

उन्होंने कहा कि अगर एक हफ्ते में लड़की बरामद नहीं की गई तो मुरादनगर डीसीपी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरने पर भारतीय किसान यूनियन किसान सभा के राष्ट्रीय संरक्षक सत्येंद्र त्यागी, हरिओम त्यागी सैंतली, अमरीश त्यागी, गौरव त्यागी, संदीप त्यागी, दुष्यंत त्यागी, अनु त्यागी, सतवीर त्यागी, मदनलाल फौजी, सुबोध कुमार, सुनील त्यागी रविंद्र त्यागी, राहुल त्यागी, रिंकू त्यागी, आकाश त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

आरकेजीआईटी में टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में 37 यू.पी. बटालियन एनसीसी एवं एमएमजी अस्पताल, गाजियाबाद के सहयोग से टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स एवं विद्यार्थियों को क्षय रोग के लक्षण, बचाव, समय पर जांच तथा उपचार के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान एमएमजी अस्पताल की विशेषज्ञ टीम द्वारा विद्यार्थियों एवं एनसीसी कैडेट्स को टी.बी. से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने टी.बी. के प्रमुख लक्षणों, संक्रमण के संभावित कारणों, बचाव के उपायों तथा समय पर चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि टी.बी. एक रोकथाम एवं उपचार योग्य बीमारी है और जागरूकता के माध्यम से इसके प्रसार को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। इस अवसर पर आरकेजीआईटी के निदेशक डॉ. बी. सी. शर्मा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर एच. जी. गर्ग, फामेर्सी विभाग की प्रिंसिपल ,डॉ. मोनिका सचदेवा ,SAC चेयरमैन आलोक त्यागी, उळड एनसीसी विकास त्यागी एवं एनसीसी समन्वयक श्रीमती प्रिया शर्मा सहित संस्थान के अधिकारीगण उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों एवं कैडेट्स को टी.बी. मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. बी. सी. शर्मा ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों और एनसीसी कैडेट्स के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश व्यापक स्तर तक पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को ह्लजागरूकता, समय पर जांच और पूर्ण उपचार–टी.बी. उन्मूलन की कुंजीह्व का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का समापन टी.बी. के प्रति जागरूक रहने और समाज को टी.बी. मुक्त बनाने में अपना योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

पुरा महादेव मंदिर पर किया भंडारे का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भगवान भोलेनाथ का बहुत ही सिद्ध पीठ पुरेश्वर महादेव मंदिर पुरा महादेव पर शिव भक्तों ने प्रेम से भंडारे का आयोजन किया।

सभी ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। भाजपा किसान मोर्चा के जिला मंत्री एवं समाजसेवी संजय त्यागी ने कहा कि सिद्ध पीठ पुरेश्वर महादेव मंदिर पुरा महादेव पर जो सच्चे मन से और प्रसाद का वितरण करता है भगवान भोले बाबा उसकी सभी मानोकामना कामना पूर्ण करते हैं।

एसआरएम आईएसटी में 19 अगस्त को 29वाँ इंडक्शन प्रोग्राम 2026 का शुभारंभ होगा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस, मोदीनगर, गाजियाबाद में बुधवार, 19 अगस्त 2026 को प्रातः 11:30 बजे ईश्वरी ऑडिटोरियम में 29वाँ इंडक्शन प्रोग्राम 2026 आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करने के साथ उन्हें संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था, मूल्यों, करियर अवसरों एवं वैश्विक दृष्टिकोण से परिचित कराना है। कार्यक्रम में प्रो. सी. मुथमिझचेलवन, कुलपति, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कट्टनकुलथुर, चेन्नई द्वारा अध्यक्षीय संबोधन दिया जाएगा।

वहीं प्रो. मारियो हायेक, डीन एवं प्रबंधन के प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बिजनेस, साउदर्न इलिनॉय यूनिवर्सिटी एडवर्ड्सविले, अमेरिका द्वारा उद्घाटन संबोधन दिया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 11:30 बजे मंगलाचरण से होगी। इसके बाद दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना आयोजित की जाएगी। डॉ. आर. पी. महापात्रा, डीन, एसआरएम आईएसटी दिल्ली-एनसीआर कैंपस, स्वागत संबोधन देंगे। इसके पश्चात डॉ. एन. वेंकट शास्त्री, निदेशक, करियर सेंटर, एसआरएम आईएसटी, विद्यार्थियों को 'एसआरएम में करियर निर्माण' विषय पर मार्गदर्शन देंगे।

इसके बाद प्रो. मारियो हायेक विद्यार्थियों के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक एवं व्यावसायिक अनुभव साझा करेंगे। तत्पश्चात प्रो. सी. मुथमिझचेलवन संस्थान की शैक्षणिक दृष्टि, मूल्यों एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निर्धारित लक्ष्यों पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. एस. विश्वनाथन, निदेशक, एसआरएम आईएसटी दिल्ली-एनसीआर कैंपस, धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का समापन दोपहर 12:45 बजे राष्ट्रगान के साथ होगा।

29वाँ इंडक्शन प्रोग्राम विद्यार्थियों के लिए उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक सफर की प्रेरणादायी शुरूआत का महत्वपूर्ण अवसर होगा तथा उन्हें ज्ञान, कौशल, नवाचार और व्यावसायिक उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

हरा चारा उत्पादक किसानों के लिए सुनहरा अवसर, गो आश्रय स्थलों में सालभर आपूर्ति का अनुबंध शुरू

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण के लिए हरे चारे की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने की पहल शुरू की गई है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एस.पी. पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित गो आश्रय स्थलों पर वर्षभर हरा चारा उपलब्ध कराने के लिए हरा चारा उत्पादक किसानों से अनुबंध किया जा रहा है। अनुबंध के तहत किसानों द्वारा गो आश्रय स्थलों को आपूर्ति किए गए हरे चारे का निर्धारित मूल्य सरकार की ओर से सीधे उनके बैंक खातों में NEFT/RTGS के माध्यम से भेजा जाएगा। इससे किसानों को नियमित बाजार और भुगतान की सुविधा मिलने के साथ गोवंश के लिए गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने इच्छुक किसानों से योजना का लाभ उठाने की अपील की है। किसान पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय, खंड विकास अधिकारी कार्यालय अथवा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं।

केडीबी पब्लिक स्कूल में छात्र अलंकरण समारोह, हेड बॉय और हेड गर्ल समेत छात्र परिषद को सौंपे गए दायित्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कविनगर स्थित केडीबी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को वरिष्ठ वर्ग के छात्र अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या निवेदिता राणा, उप प्रधानाचार्या, शिक्षकगण और विद्यार्थी मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुआ। इसके बाद नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को उनके दायित्व सौंपे गए। प्रधानाचार्या निवेदिता राणा ने विद्यार्थियों को अनुशासन और कर्तव्य के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि ऐसे समारोह विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

उन्होंने कहा कि नेतृत्व केवल पद या सम्मान प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवा भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने भीतर नेतृत्व के गुण विकसित करने और विद्यालय की गरिमा बनाए रखने का आह्वान किया। समारोह में श्रेष्ठ माथुर को हेड बॉय और साक्षी निगम को हेड गर्ल नियुक्त किया गया। स्कंद गोयल को वाइस हेड बॉय तथा लावण्या गुप्ता को वाइस हेड गर्ल की जिम्मेदारी सौंपी गई। आद्या को खेल कप्तान, वैभव प्रकाश को समन्वयक और शुभलक्ष्मी समल को सांस्कृतिक कप्तान नियुक्त किया गया। इसके साथ ही विद्यालय के चारों सदनों के कप्तानों और प्रीफेक्ट्स की भी नियुक्ति की गई। संस्कार हाउस की कप्तान आरती पाल, सद्भावना हाउस की अनन्या सैनी, संस्कृति हाउस की श्रेया द्विवेदी तथा सत्कर्म हाउस के स्पर्श सेठी को सदन कप्तान का दायित्व सौंपा गया। प्रधानाचार्या और उप प्रधानाचार्या ने सभी नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को बैज पहनाकर सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

750 से अधिक छात्रों ने सीखा मुंह की सफाई का सही तरीका, विशेषज्ञों ने बताए स्वस्थ दांतों के राज

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से मंगलवार को एचएचकेएम इंटर कॉलेज, माधवपुरा, विजयनगर में मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा छह से दस तक के 750 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दांतों और मुंह की सफाई के सही तरीकों के साथ स्वस्थ खान-पान की आदतों के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सही तरीके से ब्रश करने, नियमित रूप से दांतों की सफाई रखने और मौखिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से बचाव के उपाय बताए गए। विशेषज्ञों ने कहा कि दांतों की नियमित सफाई के साथ समय-समय पर दंत चिकित्सक से जांच कराना भी जरूरी है। बचपन से ही अच्छी मौखिक स्वच्छता की आदत डालने से भविष्य में दांतों और मसूड़ों से जुड़ी कई समस्याओं से बचा जा सकता है।

शिविर में गणेश अस्पताल की डॉ. मोनिशा गुप्ता और उनकी टीम ने विद्यार्थियों के दांतों की जांच की। बच्चों को उनकी दंत स्थिति के अनुसार आवश्यक सावधानियों और देखभाल के बारे में बताया गया। विशेषज्ञों ने खान-पान में सावधानी बरतने और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों से बचने की सलाह दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राजकुमार ने आईएमए और डॉ. मोनिशा गुप्ता की टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी हैं। इससे बच्चों को कम उम्र में ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी समझने का अवसर मिलता है। आईएमए अध्यक्ष डॉ. अल्पना कंसल ने कहा कि बच्चों को जितनी जल्दी मौखिक स्वच्छता का महत्व समझ में आए, उतना ही बेहतर है। नियमित ब्रशिंग, सही खान-पान और समय-समय पर दंत जांच को बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईएमए की ओर से आगे भी अन्य विद्यालयों में इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में काउंसलर कविता त्यागी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पुलिस से मनचले पर कार्रवाई किए जाने की मांग की

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। किशोरी की मां ने एसएचओ से शिकायत कर मनचले पर कार्रवाई की मांग की है। निवाड़ी रोड पुलिस चौकी के कार्रवाई नहीं करने के चलते मनचले के हौसले बुलंद है। आरोप है कि आरोपी 13 वर्षीय किशोरी को जबरन अपने साथ ले जाने की फिराक में है। किशोरी की मां ने एसएचओ से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। एक कॉलोनी निवासी महिला के मुताबिक, उनकी 13 वर्षीय पुत्री के साथ एक युवक आते–जाते छेड़छाड़ करता हे। महिला ने इसकी शिकायत निवाड़ी पुलिस चौकी में की, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई करना गंवारा नहीं समझा। इसके चलते आरोपी का हौसला बढ़ गया। दो दिन पहले उसने रास्ते में किशोरी को रोक लिया और जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश की। किसी तरह आरोपी के चंगुल से निकलकर किशोरी घर पहुंची और परिजनों को बताया। कोतवाली पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत कर जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सीएम योगी ने खोला सौगातों का पिटारा, पीआरडी जवानों को तीन बड़े तोहफे

पीआरडी स्वयंसेवकों को योगी सरकार की बड़ी सौगात, ड्यूटी भत्ता बढ़कर 600 प्रतिदिन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह, रामगढ़ ताल से आयोजित पीआरडी स्वयंसेवक सम्मेलन का जनपद मुख्यालय पर लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के पीआरडी स्वयंसेवकों के हित में तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में पीआरडी स्वयंसेवकों के लिए मल्टीस्टोरी बैरक के शिलान्यास के साथ स्वयंसेवकों और उनके आश्रित परिवारों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा की। वहीं ड्यूटी भत्ता 500 रुपये से बढ़ाकर 600 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया।

कार्यक्रम में सदर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि डबल इंजन सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पीआरडी जवानों के ड्यूटी भत्ते में बढ़ोतरी और परिवारों को चिकित्सा सुविधा सरकार की संवेदनशीलता को दशार्ती है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, परियोजना निदेशक प्रदीप कुमार पाण्डेय सहित युवा कल्याण विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं पीआरडी स्वयंसेवक मौजूद रहे।

मसूरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 362 पुड़िया गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना मसूरी पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान दोनों को पकड़ा और उनके कब्जे से 362 पुड़िया अवैध गांजा बरामद किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नवेद पुत्र मौ. इसरायल, निवासी कल्लन चौक, अक्सा मस्जिद के पास, जाफराबाद, पूर्वोत्तर दिल्ली तथा सुऐब पुत्र असलम, निवासी ढोलक वाली मस्जिद के पास, पिपलैड़ा, थाना धौलाना, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है।

बरामदगी के संबंध में थाना मसूरी में दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों से पूछताछ के साथ ही मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

जनसुनवाई में एसीपी ने सुनी फरियाद, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात श्री राजकरन नैय्यर ने मंगलवार को अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर शिकायत लेकर पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने फरियादियों से सीधे वार्ता कर उनकी शिकायतों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। एसीपी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसामान्य की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए और प्रकरण की गंभीरता के अनुसार प्राथमिकता से कार्रवाई की जाए। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न समस्याओं को लेकर पहुंचे लोगों ने अपनी शिकायतें पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखीं। श्री नैय्यर ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की जांच कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। फरियादियों की बात संवेदनशीलता से सुनकर त्वरित कार्रवाई करने से पुलिस और जनता के बीच विश्वास और मजबूत होता है।

डिजिटल अरेस्ट का जाल बिछाकर 2.21 करोड़ की ठगी, 1.25 करोड़ रुपये फ्रीज; गैंग का सदस्य गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर हुई 2.21 करोड़ रुपये की साइबर ठगी का खुलासा करते हुए गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने ठगी की रकम में से 1.25 करोड़ रुपये फ्रीज कराने में सफलता हासिल की है। वसुंधरा निवासी रत्नाकर मुगशुजी गेडाम को साइबर ठगों ने आधार कार्ड का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग और फ्रॉड के मामलों में होने की बात कहकर डराया।

इसके बाद एटीएम कार्ड के प्रयोग और मुकदमे में फंसने का भय दिखाकर उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया और अलग-अलग खातों में कुल 2,21,03,000 रुपये ट्रांसफर करा

लिए गए। मामला दर्ज होने के बाद साइबर क्राइम टीम ने बैंकिंग लेन-देन की जांच कर 1.25 करोड़ रुपये फ्रीज कराए।

फ्रीज रकम को ठउफ्द्ध पोर्टल की SOP के तहत पीड़ित को वापस कराने की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने महताब (23) निवासी पानीपत, हरियाणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

विजयनगर में पुलिस मुठभेड़ः फायरिंग के आरोपी को लगी गोली, साथी गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विजयनगर थाना क्षेत्र में फायरिंग के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों की मंगलवार को पुलिस से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी अमन पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके साथी अरुण को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, 17 अगस्त को दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 446/26 में वांछित आरोपियों के दोबारा वारदात करने के लिए निकलने की सूचना मिली थी। इसके बाद विजयनगर पुलिस ने सीएचएसपी स्कूल के पास चेकिंग शुरू की। बाइक सवार दो संदिग्धों को रोकने का इशारा किया गया तो उन्होंने बाइक मोड़कर भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें

अमन के पैर में गोली लगी। मौके से एक बाइक, दो तमंचे, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद हुआ। घायल आरोपी को जिला अस्पताल भेजकर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

मण्डल स्तरीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव में 415 फार्मर-उद्यमी जुटे, 73 करोड़ के एमओयू

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पशुपालन विभाग, मेरठ मंडल द्वारा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में एक दिवसीय मण्डल स्तरीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव एवं कुक्कुट निवेश सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मेरठ मंडल के छह जनपदों से करीब 415 पोल्ट्री फार्मर एवं उद्यमियों ने हिस्सा लिया। उत्तर प्रदेश कुक्कुट विकास नीति-2022 के तहत 226 इच्छुक उद्यमियों ने पंजीकरण कराया, जबकि 107 उद्यमियों ने करीब 73 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मेरठ कैंट विधायक अमित अग्रवाल और मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल ने दीप प्रज्वलित कर किया। विशेषज्ञों ने पोल्ट्री व्यवसाय में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक प्रबंधन, रोग नियंत्रण, संतुलित आहार तथा बाजार की संभावनाओं की जानकारी दी। बताया गया कि मेरठ मंडल में पिछले करीब 10 वर्षों में अंडा उत्पादन में 756 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2017 में 10.05 करोड़ अंडों का उत्पादन हुआ था, जो 2025-26 में बढ़कर 86.09 करोड़ हो गया। अधिकारियों ने कहा कि पोल्ट्री उद्योग युवाओं और किसानों के लिए रोजगार व स्वरोजगार का बेहतर माध्यम है। सम्मेलन में विभिन्न वित्तीय संस्थाओं ने ऋण एवं वित्त पोषण योजनाओं की जानकारी भी दी।

कुक्कुट नीति ने बदली किस्मत, 3 लाख लेयर मुर्गियों से गजेंद्र सिंह ने खड़ा किया करोड़ों का कारोबार

90 हजार की क्षमता से शुरू हुआ सफर, अब 3 लाख से ज्यादा मुर्गियों का फार्म; नई परियोजना भी निर्माणाधीन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुरादनगर के ग्राम जलालपुर निवासी गजेंद्र सिंह ने मेहनत, आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के दम पर पोल्ट्री कारोबार में सफलता की नई कहानी लिखी है। वर्ष 2017 में 90 हजार लेयर क्षमता से शुरू किया गया उनका सफर आज 3 लाख से अधिक अंडा देने वाली मुर्गियों तक पहुंच गया है। नेशनल पोल्ट्री फार्म का संचालन कर रहे गजेंद्र सिंह अब क्षेत्र के अन्य किसानों और युवाओं के लिए प्रेरणा बने हैं।

सरकार की कुक्कुट नीति-2022 के तहत गजेंद्र सिंह के लिए 90 हजार लेयर क्षमता के एक और आधुनिक फार्म की परियोजना स्वीकृत की गई है। इसका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। परियोजना पूरी होने के बाद उनके फार्म की क्षमता और बढ़ जाएगी।

कुक्कुट नीति के तहत इच्छुक उद्यमी 10 हजार से लेकर 90 हजार या उससे अधिक लेयर क्षमता का फार्म स्थापित कर सकते हैं। योजना में पात्र लाभार्थियों के लिए परियोजना लागत का 30 प्रतिशत मार्जिन मनी तथा 70 प्रतिशत ऋण के माध्यम से वित्तपोषण की व्यवस्था है। इसके अलावा निर्धारित शर्तों के अनुसार ब्याज, बिजली बिल और स्टाम्प ड्यूटी में भी छूट का प्रावधान है।

गजेंद्र सिंह की सफलता बताती है कि सरकारी योजनाओं का सही उपयोग, मेहनत और आधुनिक तकनीक अपनाकर पोल्ट्री व्यवसाय को बड़े रोजगारपरक उद्यम में बदला जा सकता है।

बैंकों का सीडी रेशियो बढ़ाने पर जोर, 60 फीसदी से कम वाले बैंकों की बनेगी विशेष रणनीति

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलास्तरीय बैंकिंग समन्वय समिति एवं बैंकिंग समीक्षा समिति की बैठक मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय स्थित महात्मा गांधी सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिले में बैंकिंग योजनाओं की प्रगति और विकास योजनाओं में बैंकों की भागीदारी की समीक्षा की गई।

अग्रणी जिला प्रबंधक बुद्ध राम ने जून 2026 तक की बैंकिंग उपलब्धियों का ब्योरा प्रस्तुत किया। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, फसल बीमा योजना समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी ने सभी बैंक जिला समन्वयकों को साख-जमा अनुपात (सीडी रेशियो) बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन बैंकों का सीडी रेशियो 60 प्रतिशत से कम है, उनके लिए आगामी तिमाही में बैंकवार रणनीति तैयार कर सुधार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी लंबित पत्रावलियों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने को कहा।

बैठक में आरबीआई के एलडीओ रिषभ सक्सेना, नाबार्ड की डीडीएम कुमारी अलका, अग्रणी जिला प्रबंधक बुद्ध राम सहित विभिन्न बैंकों के क्षेत्रीय प्रबंधक, जिला समन्वयक एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

'रसोईशाला' के माध्यम से बच्चों ने सीखे स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली के संस्कार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के मंथन - संपूर्ण विकास केंद्र प्रकल्प के अंतर्गत 16 अगस्त 2026, रविवार को DJJS गाजियाबाद आश्रम में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु 'किचन हाइजीन - रसोईशाला' कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों को रसोई की स्वच्छता, स्वास्थ्यवर्धक आदतों एवं दैनिक जीवन में साफ-सफाई के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ एंकरिंग के साथ हुआ, जिसके पश्चात योग एवं पी.टी. के माध्यम से बच्चों को शारीरिक स्वास्थ्य,

अनुशासन एवं सक्रियता का संदेश दिया गया।

कार्यशाला के दौरान 'रसोई स्वच्छता' एवं 'किचन की अच्छी आदतें' विषय पर ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियों और वीडियो के माध्यम से बच्चों को भोजन से जुड़ी स्वच्छता, साफ-सफाई, व्यवस्थित रसोई तथा स्वस्थ आदतों के महत्व को सरल एवं रोचक ढंग से समझाया गया। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने खेल-खेल में स्वच्छता संबंधी महत्वपूर्ण बातों को आत्मसात किया।

स्वतंत्रता दिवस की भावना से ओत-प्रोत विशेष नृत्य ने कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या, साध्वी श्वेता भारती जी ने बच्चों को प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान करते हुए बताया कि स्वच्छता केवल बाहरी साफ-सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि यह स्वस्थ, अनुशासित एवं संस्कारवान जीवन का महत्वपूर्ण आधार है।

उन्होंने बच्चों को छोटी-छोटी अच्छी आदतों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। इस प्रकार 'किचन हाइजीन - रसोईशाला' कार्यशाला ज्ञान, स्वास्थ्य, संस्कार, रचनात्मकता एवं आनंद का सुंदर समन्वय बनी और बच्चों के मन में 'स्वच्छ रसोई, स्वस्थ जीवन' का प्रेरणादायी संदेश स्थापित कर गई।